● वर्ष : 17 ● अंक : 210 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का सम्मान

दिल्ली से प्रकाशित

गुरुवार 21 मई 2026

मोदी की इटली यात्रा, रोम से साझा किए फोटो, 'भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' रहेगा चर्चा के केंद्र में

एजेंसी। रोम (इटली)

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को पांच देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर इटली की राजधानी रोम पहुंचे। आज स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला से शिष्टाचार भेंट करेंगे और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा अन्य उच्चस्तरीय राजनयिक कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इटली यात्रा का अहम मकसद 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' पर चर्चा करना भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करीब सात घंटे पहले अपने एक्स हैंडल पर रोम पहुंचने की जानकारी और चार यादगार फोटो साझा किए हैं। उन्होंने लिखा है, '' मैं इटली के रोम शहर में पहुंच गया हूं। मैं राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से मिलूंगा और उनके साथ चर्चा करूंगा। इस दौरे का मुख्य जोर भारत और इटली के बीच सहयोग को मजबूत करने पर होगा, जिसमें 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' (आईएमईसी) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना

2025-2029 की भी समीक्षा की जाएगी। मैं संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय का भी दौरा करूंगा। इससे बहुपक्षवाद और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली की राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, "रोम में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त!

इसलिए खास है 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' : प्रधानमंत्री मोदी की इटली के शीर्ष नेतृत्व से इस गलियारे पर चर्चा होनी है। यह गलियारा कई मायनों से बहुत खास है। पहली बात यह एक महत्वाकांक्षी मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी परियोजना है। इसका उद्देश्य समुद्री, रेल और सड़क नेटवर्क के माध्यम से भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच व्यापार और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। इसकी घोषणा सितंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में की गई थी। इस गलियारे को दो मुख्य भागों में विभाजित किया गया है। पहला है पूर्वी गलियारा। यह भारत के बंदरगाहों को समुद्री मार्ग से मध्य पूर्व के देशों (जैसे संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब) से जोड़ता है। उत्तरी गलियारा यह रेल नेटवर्क के माध्यम से सऊदी अरब और जॉर्डन होते हुए इजराइल के हाइफा बंदरगाह तक जाएगा, जहां से समुद्र के रास्ते इसे यूरोपीय बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा। इस पहल में भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और इजराइल शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति मैटरेला से मुलाकात की, एआई और अंतरिक्ष समेत कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा

रोम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला से मुलाकात की और भारत-इटली संबंधों को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला ने मुलाकात के दौरान भारत-इटली की मजबूत और स्थायी साझेदारी की पुष्टि की और व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी राष्ट्रपति मैटरेला के साथ व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक संबंधों समेत भारत-इटली मित्रता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जार्जिया मेलोनी को गिफ्ट की 'मेलोडी', इंटरनेट पर वायरल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने इटली दौरे पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को खास तोहफे के रूप में मेलोडी टॉफी गिफ्ट की। मेलोनी ने इसका वीडियो एक्स पर शेयर किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया। मेलोनी ने स्वयं अपने एक्स अकाउंट पर इस मुस्कुराहट भर देने वाले वीडियो को साझा किया। इसमें प्रधानमंत्री मोदी मालोनी को गिफ्ट देते दिखाई दे रहे हैं और बदले में मालोनी लिखती हैं- इस उपहार के लिए धन्यवाद। 'मेलोडी' शब्द इटली की प्रधानमंत्री की ओर से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंधों को रेखांकित करते हुए बनाया गया है। इसमें उन्होंने अपने और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को जोड़ा है। इससे पहले वे तीन बार प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए हैशटेग 'मेलोडी' का प्रयोग कर चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इसे प्रधानमंत्री की हास्यशैली का हिस्सा बताया है।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी-लू का प्रकोप बांदा का पारा दुनिया में सबसे ज्यादा

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर भारत के राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे अगले पांच-छह दिनों तक कोई राहत नहीं मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर, यूपी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान सामान्य से कई डिग्री ऊपर बना रहेगा। यूपी का बांदा जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है। मंगलवार को लगातार तीसरे दिन बांदा एशिया ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री था। यह इतिहास में तीसरी बार है, जब बांदा में पारा 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। इसके पहले 2019 के मई माह में 48.1 डिग्री और 2022 में 49 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। देश में दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश का नौगांव और तीसरे नंबर पर हरियाणा का रोहतक है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम से लेकर पूरब तक अगले पांच-छह दिनों तक तपिश से राहत के आसार नहीं हैं। इस बीच यूपी के 60 से ज्यादा जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने से उत्तर भारत में शुष्क और गर्म हवा का प्रभाव काफी बढ़ गया है। इसके चलते देश के ज्यादातर राज्यों में लू की स्थिति लगातार गंभीर

मध्य प्रदेश, यूपी, राजस्थान में एक हफ्ते तक चलेंगी सूखी और गर्म हवाएं

हो रही है। दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। यह पहली बार है, जब इस सूची में सभी शहर भारत के हैं। इन शहरों में बांदा, नौगांव, रोहतक, आगरा, झांसी, दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, चंडीगढ़ और वाराणसी के नाम हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश में गर्मी अपने पीक पर है। प्राइवेट मौसम एजेंसी के मुताबिक मध्य प्रदेश, यूपी, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगला एक हफ्ता पूरी तरह सूखा रहेगा। एजेंसी के मुताबिक इस दौरान सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान भी 45 या उससे ज्यादा ज्यादा जा सकता है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी कमजोर है और फिलहाल कोई वेदर सिस्टम भी नहीं है। ऐसे में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

भारत को विकसित देश बनने से दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती : राजनाथ

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सियोल में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम

में कहा कि इन 12 सालों में हुए बदलावों ने देश के लोगों को पक्का भरोसा दिया है कि भारत को विकसित देश बनने से दुनिया की कोई भी ताकत रोक नहीं सकती। उन्होंने कोरिया के उन बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। साउथ कोरिया के रक्षा मंत्री के साथ उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और तकनीकी सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई गई। सियोल में साउथ कोरिया के रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन मंत्री ली योंग-चुल के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की बैठक हुई। दोनों मंत्री संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और संयुक्त निर्यात के लिए रास्ते बनाने पर सहमत हुए। दोनों देशों के पारिस्थितिकी तंत्र को एकसाथ लाने के लिए रोडमैप पर चर्चा हुई। राजनाथ ने सियोल में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष आह्न ग्यू के साथ बैठक में दोनों देशों के रक्षा, रक्षा उद्योग और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और तकनीकी सहयोग के लिए प्रतिबद्धता जताई गई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने नेशनल डिफेंस कॉलेज ऑफ इंडिया और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी ऑफ कोरिया के बीच रक्षा साइबर सहयोग को बढ़ावा देने और यूएन पीसकीपिंग कोऑपरेशन पर एग्रीमेंट्स का आदान-प्रदान किया, जिससे भारत-कोरिया के बीच साझेदारी और मजबूत एवं बहुआयामी बनी।

मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में शुरू हुआ 12 मित्र देशों के साथ सैन्य अभ्यास 'प्रगति'

नई दिल्ली। मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में बुधवार से बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास 'प्रगति' शुरू हो गया। इस सैन्य अभ्यास में भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम सहित 12 मित्र देश भागीदारी कर रहे हैं। भारतीय सेना ने इन सैन्य टुकड़ियों का गर्मजोशी और पारंपरिक रूप से स्वागत करके भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य सत्कार को दर्शाया। सैन्य अभ्यास 'प्रगति' (पीआरएजीएटीआई) का अर्थ हिंद महासागर क्षेत्र में विकास और परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय सेनाओं की साझेदारी है, जो समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना से आयोजित की जा रही है। यह अभ्यास भाग लेने वाली सेनाओं को पेशेवर आदान-प्रदान करने, एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और घनिष्ठ सैन्य संबंध बनाने के लिए साझा मंच प्रदान करता है। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में भारतीय सेना के अपर महानिदेशक (इन्फैंट्री) मेजर जनरल सुनील शेओरान ने सभी टुकड़ियों का स्वागत किया और समकालीन सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सामूहिक भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है, इसका असर आम जनता पर पड़ेगा

नई दिल्ली। देश में पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश में महगांई को रोकने में पूरी तरह से नाकाम रहने का आरोप लगाया है। खरगे ने केंद्र पर देश की अर्थव्यवस्था गर्त में ले जाने का आरोप लगाया तो राहुल गांधी ने संकट के समय प्रधानमंत्री पर विदेश घूमने का आरोप लगाया। खरगे ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार के 11 वर्षों में आम जनता का कर्ज 11 गुना बढ़ गया है, महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, रुपये की कीमत ऐतिहासिक निम्न स्तर पर पहुंच गई है और विदेशी निवेशक पलायन कर रहे हैं। इस दौरान उद्योगपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ी है, जबकि आम नागरिक महंगाई और करों के बोझ तले दबे हैं। खरगे ने कहा कि

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 2014 के 414 रुपये से बढ़कर 2026 में 915.5 रुपया हो गई हैं, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतें 1,241 रुपये से बढ़कर 3,152 रुपये तक पहुंच गई हैं। सीएनजी, दूध, ब्रेड और दवाओं जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और हालिया ईंधन मूल्य वृद्धि से सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ ही घंटों में 12,400 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। मार्च 2026 में युवाओं की बेरोजगारी दर 15.2 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो नौ महीने का उच्चतम स्तर है।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा को लेकर शिक्षा मंत्री की उच्चस्तरीय बैठक, फर्जी टेलीग्राम चैनलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पुनर्परीक्षा की निष्पक्ष और सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए बुधवार को केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में परीक्षा के दौरान कड़ी सतर्कता और चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया। बैठक में शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक ने भी हिस्सा लिया। बैठक में परीक्षा की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संभावित कमजोरियों की पहचान कर समय रहते निवारक और

सुधारात्मक कदम उठाने पर चर्चा हुई। इसके समानांतर शिक्षा मंत्री ने मेटा, गूगल और टेलीग्राम जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की। बैठक में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी गलत सूचनाओं के बढ़ते प्रसार, विशेष रूप से टेलीग्राम चैनलों और गुमनाम ऑनलाइन समूहों के माध्यम से फैलाए जा रहे भ्रामक दावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। अधिकारियों ने बताया कि बड़ी परीक्षाओं से पहले कई टेलीग्राम चैनल अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं और फर्जी पेपर लीक, क्लिकबेट सामग्री तथा अपुष्ट सूचनाएं फैलाकर छात्रों और अभिभावकों में भय, तनाव और भ्रम पैदा करते हैं। कई संदिग्ध लिंक लोगों को ऑटोमेटेड बॉट्स और फर्जी समूहों तक पहुंचाते हैं, जिनका उद्देश्य गलत सूचना को तेजी से फैलाना होता है। खुफिया एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार कई संदिग्ध चैनल सीमित संख्या के फोन नंबरों के जरिए संचालित किए जा रहे हैं, जिससे संगठित गतिविधियों की आशंका जताई गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा मंत्री ने ऐसे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा से पहले फर्जी सूचना, दुष्प्रचार और अफवाह फैलाने वाले चैनलों की सक्रिय पहचान कर उन्हें ब्लॉक और हटाने के लिए अभियान चलाने को कहा। प्रधान ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को शिक्षा मंत्रालय, एनटीए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर तेजी से कार्रवाई करनी होगी, ताकि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनी रहे और छात्रों को भ्रामक सूचनाओं से बचाया जा सके। उन्होंने दोहराया कि छात्रों को गुमराह करने वाली बातों से बचाना और परीक्षा प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बनाए रखना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

राहुल गांधी का बयान उनकी अराजक मानसिकता को दर्शाता हैः नितिन नवीन

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ

आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने राहुल गांधी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए इसे उनकी हताशा करार दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी का बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और यह उनकी अराजक मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में मर्यादा और सामाजिक सौहार्द आपसी सम्मान से जुड़े होते हैं लेकिन राहुल गांधी की टिप्पणी ने इन मूल्यों को तार-तार करने का काम किया है। उनके शब्दों में निराशा, हताशा साफ झलक रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, "लगातार चुनावी हार और उससे पैदा हुई निराशा अब राहुल गांधी के स्वभाव और व्यवहार में साफ दिखाई देने लगी है। यही हताशा उन्हें इस तरह के बयान देने के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान देश के प्रधानमंत्री का ही अपमान नहीं है बल्कि देश के 140 करोड़ लोगों का अपमान है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने आईएएस अधिकारियों से कहा, भावुक हुए बिना संवेदनशील बनें

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को करुणा और तर्कसंगतता के बीच संतुलन बनाना चाहिए तथा संवेदनशील होना चाहिए लेकिन भावुक नहीं। राष्ट्रपति भवन में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2024 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं, विशेषकर आईएएस ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब देश के विकास के नए चरण में प्रवेश करने के साथ अधिकारियों से अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों को

विविध क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिलेगा और कई बार उन्हें विशेषज्ञों की टीमों का नेतृत्व भी करना पड़ेगा। ऐसे में उनके सीखने की गति और दायरा दोनों व्यापक होने चाहिए तथा विभिन्न परिस्थितियों और क्षेत्रों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता असाधारण होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों की निष्पक्षता उनकी न्यायप्रियता का संकेत होगी, जबकि उनकी संवेदनशीलता समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाएगी।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

पश्चिम बंगाल में काली के पुजारियों का भत्ता बंद

पश्चिम बंगाल की सरकार के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम बंगाल के इमाम और पुजारियों को जो भत्ता ममता सरकार द्वारा दिया जा रहा था, 1 जून 2026 से दोनों के भत्ते बंद करने का निर्णय किया है। इस निर्णय की पश्चिम बंगाल में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। टीएमसी के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसी साल मार्च माह से धार्मिक नेताओं के भत्ते में 500 रूपये प्रतिमाह की वृद्धि की थी। पश्चिम बंगाल में मस्जिदों के इमाम को हर महीने 3000 रूपये तथा पुजारियों को 2000 रूपये की मदद दी जा रही थी। भाजपा की सरकार ने अब यह मानदेय बंद करने का निर्णय लिया है। इसका असर संपूर्ण पश्चिम बंगाल में हिन्दू-मुस्लिम के बीच होना तय है। पश्चिम बंगाल में काली की पूजा होती है।

पश्चिम बंगाल में पूजा में बली और खाने-पीने में मांसाहार का बड़ा उपयोग होता है। बंगाल में हजारों की संख्या में पुजारियों को यह मानदेय मिल रहा था। पुजारियों को आशा थी, नई सरकार इमाम और मुअज्जीन का भत्ता बंद करेगी। हिंदू पुजारियों को 3000 रूपये महीने का मानदेय देने का निर्णय करेगी। सरकार ने दोनों समुदाओं के धार्मिक गुरुओं का भत्ता बंद कर दिया है। पश्चिम बंगाल से जो खबरें आ रही हैं, उसके अनुसार पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को दो अलग-अलग भागों में बांटा जा रहा है। हजारों वर्ष पूर्व हिंदुओं में वैष्णव और शैव शाक्त के बीच में विवाद होते रहे हैं। हिन्दू समुदाय तीन भागों में बटे हुए थे। शुभेंदु सरकार ने पश्चिम बंगाल में इसी विवाद को फिर से खड़ा कर दिया है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल का चुनाव हिंदुओं के नाम पर लड़ा है। हिंदू पुजारियों को आशा थी, उनका मानदेय बढ़ाया जाएगा। सरकार ने बढ़ाने के स्थान पर बंद कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी जय श्री राम के उद्घोष के साथ वहां पहुंची है। बड़ी संख्या में उत्तर भारत के लोग पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। सरकार के इस निर्णय से बंगाली पुजारियों में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। उनका मानना है वह शाक्त भक्त हैं, मां काली की पूजा करते हैं। काली की तांत्रिक पूजा अलग तरह की होती है, जिसे वैष्णव और शैव स्वीकार नहीं करते हैं। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सरकार बनने के बाद सरकार, पश्चिम बंगाल के पुजारियों के साथ हिन्दुओं में जो भेदभाव कर रही है। उससे यह धारणा बन रही है, पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी की सरकार हिंदुओं को हिंदुओं के बीच में बांटने का काम कर रही है। पश्चिम बंगाल में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। प्रारंभ में ही यदि इस तरह के भेदभाव की भावना हिंदुओं के बीच में जागृत होती है, तो यह हिंदू एकता को लेकर भाजपा को नुकसान पहुंचा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान यह मामला कहीं ना कहीं सामने आया था। उत्तर भारत के जो नेता पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से मांस और मछली खाकर यह विश्वास दिलाया था, वह बंगाल की संस्कृति और बंगाल की धार्मिक परंपरा के साथ कोई अन्याय नहीं करेंगे।

सरकार बनने के बाद जिस तरह से कालीभक्त पुजारियों के मानदेय को सरकार ने बंद किया है। उसके बाद वहां पर कहा जा रहा है, वर्तमान सरकार काली भक्तों को पसंद नहीं करती है। पश्चिम बंगाल की धार्मिक संस्कृति में भगवान राम और अन्य हिंदू देवी देवता जो शैव और वैष्णव संप्रदाय से आते हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल में साक्त भक्तों में स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव हुए हैं। लाखों की संख्या में अर्ध सैनिक बल तैनात किया गया। लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

इजराइल का दक्षिणी लेबनान पर हमला, कम से कम 15 लोगों की मौत, 12 गांवों को खाली करने की चेतावनी

एजेंसी। बेरुत (लेबनान)

इजराइल के दक्षिणी लेबनान पर किए गए ताजा हवाई हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के 12 गांवों को तत्काल खाली करने का आदेश दिया है। 16 अप्रैल को लेबनान और इजराइल के बीच हुए सैन्य विराम (सीज फायर) के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह और लेबनान के बीच घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा। कुछ मीडिया संस्थानों में अपुष्ट सूत्रों से मरने वालों की संख्या 19 बताई जा रही है। लेबनान के समाचार पत्र 'लोरिएंट टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने मंगलवार को खूनखराबा करने के साथ दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी के 12 गांवों को खाली करने का आदेश दिया है। इनमें दक्षिणी क्षेत्र का अहम गांव नबातीह ताहता भी शामिल है। रिपोर्ट के

अनुसार, मंगलवार को इजराइल के हमले में कफर सिर में चार लोग मारे गए। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। मारे गए लोगों की पहचान सफिया बद्र अल-दीन, अली नाजिह कामिहा, नाजिहा कामिहा और अहमद अल-सब्लिनी के रूप में हुई है। बताया गया है कि देइर कानन अल-नहर में इजराइल ने टाउन हॉल के पास स्थित एक घर को निशाना बनाया। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें चार बच्चे शामिल हैं। नगर परिषद के अध्यक्ष अली क़ुस्सैर के अनुसार, जिस घर को निशाना बनाया गया वह एक बड़े परिवार का घर था। मलबे के नीचे दबे तीन लोगों को खोजने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इसके अलावा हारौफ (नबातीह) पर हुए इजराइली ड्रोन हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हमला नगरपालिका मुख्यालय के पास हुआ। इसमें गांव की नगरपालिका परिषद के सदस्य नासिर नासर की मौत हो गई। फ्रौन (बिंत जुबैल) पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक और ड्रोन हमले में एक मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। नबातीह में हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा दोपहर दो बजे इजराइली सैनिकों ने कफर हम्माम और कफर शुबा (हसबया) के बाहरी इलाके से सात लोगों को अगवा कर लिया। सिविल डिफेंस के अनुसार, उनमें से चार लोग सीरियाई मजदूर है। इन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

ख़ास ख़बर

भारत टेक्स मोबाइल ऐप लॉन्च, एआई असिस्टेंट और डिजिटल सुविधाएं मिलेंगी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'भारत टेक्स' प्रदर्शनी में प्रतिभागियों को डिजिटल सुविधाओं के साथ सहज अनुभव देने के लिए भारत टेक्स 2026 मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप प्रदर्शनी की जानकारी, बैठकें तय करने, डिजिटल पहचान-पत्र, संपर्क विवरण संग्रह और एआई-सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने इस ऐप को बुधवार को यहां लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि ऐप प्रतिभागियों को प्रदर्शकों की खोज, बैठकें तय करने, स्थल पर दिशा-निर्देश प्राप्त करने, ज्ञान सत्रों तक पहुंचने और वास्तविक समय में अपडेट हासिल करने की सुविधा देगा।मंत्रालय ने बताया कि ऐप की प्रमुख विशेषता एआई स्मार्ट असिस्टेंट है, जो प्रतिभागियों को 24x7 संवादात्मक मार्गदर्शन देगा। उपयोगकर्ता सरल भाषा में प्रश्न पूछकर कार्यक्रम, स्थल, समय सारणी और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा नेटवर्किंग और बैठक मॉड्यूल के जरिए प्रदर्शक और खरीदार आपस में जुड़ सकेंगे तथा क्यूआर-आधारित संपर्क विवरण संग्रह सुविधा से डिजिटल पहचान-पत्र स्कैन कर जानकारी सुरक्षित कर सकेंगे।उल्लेखनीय है कि यहां भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले भारत टेक्स 2026 में 7,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 1,30,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक शामिल होंगे। आयोजन में भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें फाइबर, यार्न, कपड़ा, परिधान, गृह वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, हस्तकरघा, हस्तशिल्प, सतत वस्त्र और स्मार्ट विनिर्माण तकनीकें शामिल होंगी। भारत टेक्स 2026 का आयोजन भारत टेक्स व्यापार संगठन द्वारा किया जाएगा, जिसमें 11 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदें और उद्योग संगठन शामिल हैं। यह आयोजन प्रधानमंत्री के 5 एफ विजन फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन से प्रेरित है और भारत को एक विश्वसनीय, सतत और नवाचार-आधारित वैश्विक वस्त्र गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

राहुल गांधी की अमर्यादित भाषा हताशा का प्रमाण : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की आलोचना की है और उनके बयान को घोर हताशा का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि विभाजन और नफरत फैलाना ही कांग्रेस की असली राजनीति रही है। जो नेता और दल स्वयं आपातकाल के दाग और भ्रष्टाचार के इतिहास से घिरे रहे हैं, वे आज राष्ट्रभक्ति का उपदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का नकारात्मक एजेंडा और देश को बदनाम करने की साजिश अब जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। देश की जागरूक जनता इस अपमानजनक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी।लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं द्वारा देश के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ लगातार अभद्र और गैर-जिम्मेदाराना बयान देना उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जब कांग्रेस को जनता बार-बार लोकतांत्रिक तरीके से नकार चुकी हो, तब ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की भाषा का सहारा लिया जाता है।प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि देश ने वर्षों तक कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को देखा है। आज जब भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत नेतृत्व के साथ आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस को यह जनसमर्थन पच नहीं रहा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में असहमति हो सकती है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जैसे संवैधानिक पदों के प्रति मर्यादा बनाए रखना हर राजनीतिक दल की यह जिम्मेदारी है।पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के अपशब्द उनकी छोटी सोच औक मन की नफरत को दर्शाते हैं। सिरसा ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि राहुल गांधी एक नाकाबिल आदमी हैं, परिवारवाद के कारण उनको जबरन उस कुर्सी पर बिठाया गया है जिसके वह काबिल नहीं हैं। उन्हें अपने बयान के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत पर महिला आयोग ने लिया संज्ञान, मप्र के मुख्य सचिव, डीजीपी से रिपोर्ट तलब

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत को लेकर मीडिया की खबरों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर इस मामले में तत्काल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आयोग ने सात दिनों के अंदर इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने बुधवार को पत्र में इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि महिलाओं के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा प्रभाव का दुरुपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आयोग ने एफआईआर में लगाए गए प्रावधानों, आरोपियों की गिरफ्तारी एवं पूछताछ की स्थिति, फरार आरोपी समर्थ सिंह की गिरफ्तारी के लिए उठाए गए कदमों, पासपोर्ट को जब्त करने की स्थिति, सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड्स, इलेक्ट्रॉनिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पूर्व में की गई शिकायतों पर की गई कार्रवाई संबंधी जानकारी मांगी है। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि पीड़िता के परिवार को किसी प्रकार की धमकी, दबाव या चरित्र हनन से संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि निष्पक्ष वातावरण में न्याय प्रक्रिया आगे बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के नोएडा की रहने वाली 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा की शादी को अभी सिर्फ 5 महीने ही हुए थे। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित उनके ससुराल में उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ट्विशा के परिवार वालों ने उनके पति समर्थ सिंह और सास पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए हैं।

मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली टैलेंट हंट योजना' का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा के साथ 'दिल्ली टैलेंट हंट – हौसलों की उड़ान योजना 2026-27' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राजधानी में अपार प्रतिभा है। योजना का लक्ष्य दिल्ली के युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को पहचान देना, उन्हें निखारना और आगे बढ़ाना है। योजना सभी 70 विधानसभाओं से शुरू होगी और इसमें 25 हजार से ज्यादा युवाओं की भागीदारी होगी। इसमें गायन, नृत्य, थिएटर, फाइन आर्ट, डिजिटल आर्ट, वाद्य संगीत एवं म्यूजिक कंपोजिशन जैसी विधाओं में प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के युवा अपनी क्षमता, सृजन और परिश्रम से नई पहचान गढ़ें। इस दिशा में दिल्ली सरकार लगातार कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दिल्ली टैलेंट हंट' योजना के जरिए सरकार अब प्रतिभाशाली युवाओं के पास पहुंचेगी, इससे पहले इतनी बड़ी टैलेंट हंट योजना नहीं शुरू की गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट में घोषणा की थी कि दिल्ली सरकार का संस्कृति विभाग दिल्ली के युवाओं के लिए प्रतिभा खोज योजना लागू करेगा। आज इससे वादे को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के युवाओं में गायन, नृत्य, रंगमंच, डिजिटल कला और कई अन्य क्षेत्रों में अपार प्रतिभा है। दिल्ली के कई प्रतिभाशाली युवाओं ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र रूप से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में दिल्ली सरकार राज्य के युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान देने जा रही है। उन्होंने कह कि इसी ऐतिहासिक पहल के तहत "दिल्ली टैलेंट हंट हौसलों की उड़ान" की भव्य शुरुआत होने जा रही है, जिसकी घोषणा आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरे गर्व के साथ की गई। कपिल मिश्रा ने कहा कि इस अनूठे अभियान का मूल उद्देश्य दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ियों, गलियों और कॉलोनियों में रहने वाले उन प्रतिभावान युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को ढूंढना, उन्हें निखारना और एक ऐसा मजबूत मंच प्रदान करना है जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन युवाओं की इस यात्रा में हर मोड़ पर उनके साथ खड़ी रहेगी और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हुए उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाने तथा समाज में एक नई और सम्मानजनक पहचान दिलाने के लिए अपनी हर संभव मदद और संसाधन सुनिश्चित करेगी।

महिला कार्मिकों ने रखी गरिमा पूर्ण कार्यस्थल की मांग

जागरूकता फैलाने के लिए शुरू किया "पिंक फॉर रिस्पेक्ट" अभियान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विगत दोनों राजस्थान सरकार के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अपने विभाग की महिलाओं की मातृत्व अवकाश, चाइल्ड केयर लीव एवं अन्य संवेदनशील विषयों पर की गई टिप्पणियों से अनेक महिला कार्मिक एवं कर्मचारी आहत हुए। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन प्रस्तुत कर महिलाओं के सम्मान एवं गरिमापूर्ण कार्यस्थल की मांग की गई। इसी क्रम में लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से एक सकारात्मक जन-जागरूकता अभियान "Pink for Respect" — प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं के योगदान, आत्मसम्मान एवं गरिमा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है। यह पूर्णतः शांतिपूर्ण, प्रतीकात्मक एवं संवैधानिक मर्यादाओं के अनुरूप अभियान है, जिसमें किसी प्रकार का कार्य बहिष्कार, हड़ताल या कंडक्ट रूल का उल्लंघन नहीं है। महिलाएँ

घर और कार्यस्थल दोनों स्थानों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाती हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान और संवेदनशील व्यवहार प्रत्येक संस्थान की जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ महिला एवं पुरुष साथियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों ने गुलाबी वस्त्र धारण कर इस मुहिम का समर्थन किया है। यह अभियान एक सकारात्मक संदेश देता है कि "सम्मान के साथ कार्य करना प्रत्येक महिला का अधिकार है।"

POGO लेकर आया नया 3D एनिमेटेड शो "सम्पत चम्पत", 18 मई को हुआ शानदार प्रीमियर

» लोटपोट के लोकप्रिय किरदार अब टीवी पर, "सम्पत चम्पत" का POGO पर धमाकेदार आगाज़

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: बच्चों के मनोरंजन की दुनिया में अब एक नया और मजेदार शो आ गया है। 'पोगो' ने अपने नए 3D एनिमेटेड शो "सम्पत चम्पत" का 18 मई को प्रीमियर किया। यह शो बच्चों की मशहूर कॉमिक पत्रिका 'लोटपोट' के लोकप्रिय किरदारों पर आधारित है। इसके साथ ही भारत की पसंदीदा कॉमिक कहानियों को एक नए अंदाज़ में दर्शकों के सामने पेश किया गया है। सम्पत चम्पत अपनी मजेदार हरकतों और कॉमेडी के लिए पिछले 40 सालों से लोगों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। अब पहली बार ये दोनों किरदार कॉमिक्स से निकलकर टीवी स्क्रीन पर 3D एनिमेशन में दिखाई दे रहे हैं। यह शो बच्चों के साथ-साथ पूरे परिवार के लिए हंसी, रोमांच और पुरानी यादों से भरा मनोरंजन लेकर आया है। इस पर बात करते हुए लोटपोट कॉमिक्स के प्रकाशक और शो के निर्माता अमन बजाज ने कहा, "मैं इस शो को लेकर बहुत उत्साहित हूं। सम्पत चम्पत पिछले 40 सालों से हमारी कॉमिक्स का हिस्सा रहे हैं, और अब उन्हें टीवी पर एनिमेशन के रूप में देखना मेरे लिए बेहद ख़ुशी की बात है। सम्पत चम्पत लोटपोट की दुनिया से आते हैं, जिसने 'मोटू पतलू', 'शेखचिल्ली एंड फ्रेंड्स' जैसे कई सुपरहिट आईपी दिए हैं। मुझे विश्वास है कि अब ब्रॉडकास्टर्स भारतीय घरेलू आईपी को और भी ज्यादा अपनाएंगे। उम्मीद है कि दर्शक भी सम्पत चम्पत को उतना ही प्यार देंगे।" लोटपोट कॉमिक्स के सीएमओ और शो के निर्माता शिवांक अरोड़ा ने कहा, "यह बच्चों के टीवी शो के निर्माता के रूप में मेरा पहला प्रोजेक्ट है और मैं इसके लिए बहुत खुश और उत्साहित हूं। पिछले कुछ सालों से हम इस सपने को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे थे। मैं उम्मीद करता हूं कि यह शो सभी रिकॉर्ड तोड़े और दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए।" कॉमिक लेखक और चित्रकार डॉ. हरविंदर मंकर ने कहा, "मैंने सम्पत चम्पत को 40 साल पहले लोटपोट कॉमिक्स के लिए बनाया था और यह मेरे और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए गर्व का पल है कि यह अब एक प्रसिद्ध चैनल पोगो पर एनिमेशन के रूप में प्रसारित हो रहा है। मैं कह सकता हूं कि यह हमारी उम्मीद से कई बेहतर है। आशा है कि यह दर्शकों को भी पसंद आएगा।"

मथुरा में गूंजी श्रीकृष्ण भक्तिः सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने देखी "कृष्णावतरम् पार्ट 1-द हार्ट", फिल्म की भव्यता और आध्यात्मिक प्रस्तुति से हुईं प्रभावित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं पर आधारित हिंदी फिल्म "कृष्णावतरम् पार्ट 1 – द हार्ट" ने अब केवल दर्शकों के बीच ही नहीं, बल्कि देश के प्रतिष्ठित सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वर्गों में भी अपनी विशेष पहचान बना ली है। इसी क्रम में मथुरा की सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने मथुरा में आयोजित विशेष स्क्रीनिंग के दौरान फिल्म देखी और फिल्म की टीम की खुलकर सराहना की। यह विशेष स्क्रीनिंग मथुरा के JV Cinema में आयोजित की गई थी। मथुरा, जो भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि के रूप में विश्वभर में आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, वहां इस फिल्म का प्रदर्शन अपने आप में एक भावनात्मक और विशेष अवसर बन गया। स्क्रीनिंग के दौरान हेमा मालिनी ने पूरी फिल्म देखी और फिल्म के निर्माण, उसके भव्य कैनवास और प्रस्तुति की प्रशंसा की। फिल्म का निर्माण निर्माता साजन राज कुरूप ने किया है जबकि निर्देशन हार्दिक गज्जर ने किया है। फिल्म में सिद्धार्थ गुप्ता भगवान श्रीकृष्ण, सुष्मिता भट्ट राधा, निवासिनी कृष्णन रुक्मिणी, संस्कृति जयाना सत्यभामा और जे कार्तिक सत्राजित की भूमिका निभा रहे हैं। स्क्रीनिंग के बाद निर्माता साजन राज कुरुप ने कहा कि हेमा जी ने कलाकारों के अभिनय, निर्देशन और फिल्म के बड़े स्तर के निर्माण की काफी सराहना की और पूरी फिल्म देखने के बाद उनके चेहरे पर खुशी दिखाई दे रही थी। फिल्म के संबंध में हेमा मालिनी ने फिल्म की भव्यता, कलाकारों के अभिनय, संगीत, हैंड-पेंटेड कॉस्ट्यूम्स और हस्तनिर्मित आभूषणों की प्रशंसा की। उन्होंने फिल्म के पीछे की मेहनत और उसकी प्रस्तुति की सराहना करते हुए टीम को शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस ने देश की बदहाल आर्थिक स्थिति और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर मोदी सरकार पर बोला तीखा हमला

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने देश की बदहाल आर्थिक स्थिति और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के मीडिया और प्रचार अध्यक्ष पवन खेड़ा ने मोदी सरकार द्वारा आर्थिक हालात के लिए वैश्विक कारणों (पश्चिम एशिया युद्ध) को जिम्मेदार ठहराए जाने पर कहा कि हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही ठीक नहीं चल रही थी। कांग्रेस पार्टी पिछले 10 साल से सरकार को आंकड़ों के साथ चेतावनी दे रही थी कि अर्थव्यवस्था मरणशैया पर है, लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक कारण केवल आंशिक रूप से जिम्मेदार हैं, अर्थव्यवस्था में झटके झेलने की क्षमता खत्म हो गई है। उन्होंने याद दिलाया कि 2008 के लेहमैन ब्रदर्स वैश्विक संकट के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और उनकी टीम ने देश को आर्थिक झटकों से बचाए रखा था। पवन खेड़ा ने महंगाई के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि पिछले 12 साल में पेट्रोल की कीमत 38 प्रतिशत और डीजल की कीमत 62 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने सवाल किया कि मोदी सरकार के अब तक के कार्यकाल में इससे पहले कौन से युद्ध चल रहे थे, तब कौन से वैश्विक फैक्टर थे? उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के समय कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार रही थी, तब भी देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत 70 रुपये प्रति लीटर से ऊपर नहीं गई थी। वहीं, मोदी सरकार में जब कच्चे तेल का दाम करीब 50 डॉलर प्रति बैरल चल रहा था, तब सरकार ने पेट्रोल 100 रुपये लीटर के आसपास बेचा और जनता को राहत नहीं दी गई। आज हालात ये हैं कि एथेनॉल मिला हुआ घटिया पेट्रोल 110 रुपये लीटर में बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल में केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर टैक्स के जरिए 43 लाख करोड़ वसूले हैं, अब चार रुपये फिर बढ़ाए गए हैं, जिससे तेल कंपनियों ने कुछ ही घंटों में बाजार से 12,400 करोड़ रुपये कमा लिए। खेड़ा ने बताया कि 2014 में जो एलपीजी सिलेंडर 414 रुपये में मिल रहा था, वो आज 915 रुपये का हो गया है। रेस्टोरेंट में खाने-पीने की कीमतें बढ़ चुकी हैं। दूध और ब्रेड की कीमत भी बढ़ा दी गई है। देश की वित्तीय साख का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगातार गिरकर 96.80 से 97 के स्तर तक पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 38 बिलियन डॉलर तक घट चुका है और निवेशकों ने बाजार से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी वापस खींच ली है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में बेरोजगारी दर 15 प्रतिशत के पार चली गई है।

भारत में मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बढ़ाने और छिपी भूख से मुकाबला करने हेतु उद्योग जगत के नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन

» टेक्नोसर्व द्वारा संचालित मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने CII FACE के सहयोग से सरकार, उद्योग और पोषण क्षेत्र के नेताओं को फोर्टिफाइड मुख्य खाद्य पदार्थों को अपनाने में तेजी लाने हेतु एक मंच पर एकत्रित किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भारत में छिपी भूख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, टेक्नोसर्व द्वारा संचालित मिलर्स फॉर न्यूट्रिशन ने, CII फूड एंड एग्रीकल्चर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CII FACE) के सहयोग से, आज नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित मुख्य खाद्य पदार्थ उद्योग नेताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन — मुख्य खाद्य पदार्थों के फोर्टिफिकेशन को बड़े स्तर पर बढ़ाने हेतु रोडमैप विकसित करने के लिए में प्रमुख नीति-निर्माताओं, खाद्य उद्योग के नेताओं, मिलर्स, पोषण विशेषज्ञों और विकास क्षेत्र के हितधारकों को एकत्रित किया।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सिर मुंडवाकर किया प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए को भंग करने की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने बुधवार को राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा (एनईईटी) पेपर लीक विवाद और परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ ओखला में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विरोध और शोक के रूप में अपना सिर मुंडवा लिया।एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन परीक्षा प्रणाली की विफलता और देश भर के लाखों छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की अक्षमता को उजागर करने के लिए आयोजित किया गया। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि यह केवल बालों का बलिदान नहीं है, बल्कि उन लाखों छात्रों के दर्द, गुस्से और हताशा का प्रतीक है, जिनका भविष्य परीक्षा प्रणाली में भ्रष्टाचार और अक्षमता के कारण नष्ट हो रहा है। बार-बार पेपर लीक ने छात्रों और अभिभावकों के विश्वास को पूरी तरह से तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि एनईईटी पेपर लीक से लेकर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओएसएम प्रणाली और जबरन तीन-भाषा नीति के विवादों तक, शिक्षा मंत्रालय ने लगातार छात्रों को विफल किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने सभी विश्वसनीयता खो दी है और इसे भंग कर दिया जाना चाहिए। विनोद जाखड़ ने बताया कि एनएसयूआई ने मांग की है कि नीट पेपर लीक की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) का विघटन और देश भर में छात्रों को प्रभावित करने वाली बार-बार परीक्षा में विफलता के लिए जवाबदेही।

सड़कों पर नमाज 'यह इबादत नहीं, शक्ति प्रदर्शन', राज्य सरकारें से रोके लगायें- विहिप

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सड़कों पर नमाज पढ़ने के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सार्वजनिक और कानून व्यवस्था से जुड़ा विषय बताया है। संगठन का कहना है कि यह इबादत नहीं बल्कि शक्ति प्रदर्शन का तरीका है और राज्य सरकारों को इसपर रोक लगानी चाहिए। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि सड़कों पर नमाज, नमाज नहीं फसाद है। यह केवल संविधान विरोधी ही नहीं है अपितु, मानवता और इस्लाम विरोधी भी है। इसके दुष्परिणामों को देखते हुए ही सात उच्च न्यायालयों ने सड़कों पर नमाज रोकने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय भी ऐसे संकेत दे चुकी है। इसका अर्थ है सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद न्यायपालिका की अवमानना भी है। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल 5 मिनट का मामला नहीं है। दिल्ली के सभी महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों पर घंटे ट्रेन बाधित हो जाती थी, जब पटरियों पर बैठकर नमाज पढ़ी जाती थी। गुरुग्राम से गुजरने वाले जयपुर हाईवे पर 8-8 घंटे ट्रैफिक जाम होता था। स्कूल बसें जाम में फंस जाती थी। मासूम बच्चे बिलखते रहते थे। एंबुलेंस के फंसने के कारण मरीजों की जान पर भी बन जाती थी लेकिन, किसी नमाज़ी का दिल नहीं पिघलता था। डॉ जैन ने कहा कि कई हदीसों में भी सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए मना किया है। इसलिए कई मुस्लिम देशों में भी इस पर प्रतिबंध है। किसी भी सभ्य समाज में इसको अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने पूछा कि भारत में वे यह जिद क्यों करना चाहते हैं? वे कहते हैं कि हमें मस्जिदों में जगह नहीं मिलती तो हम सड़क पर उतरते हैं। जब गुरुग्राम में 38 जगह सड़के रोक कर नमाज पढ़ी जाती थी तब, समाज को गुस्सा आया और इसे रोकने के लिए आंदोलन हुए। उस समय मीडिया ने दिखाया था कि गुरुग्राम से 40 किलोमीटर दूर से ट्रकों में चटाइयां लाई जा रही हैं, लोग लाए जा रहे हैं।रास्ते में पड़ने वाली बीसियों मस्जिदें खाली रहती थीं।उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि यह तर्क केवल धोखा देने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है। वास्तव में तो यह एक शक्ति प्रदर्शन है। वे प्रशासन और हिंदू समाज को अपना संख्या बल दिखाकर आतंकित करना चाहते हैं। विश्व हिंदू परिषद सभी राज्य सरकारों से अपील करती है कि वे सख्ती से सड़कों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगा न्यायपालिका और संविधान का पालन करने के लिए सबको प्रेरित करें। किसी भी तरह से सड़क पर नमाज पढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मुल्ला - मौलवियों को भी चाहिए कि वे मुस्लिम समाज को कानून का पालन करने की प्रेरणा दें, ना कि उन्हें आतंकवाद के एक और मार्ग पर धकेलें।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा में नई नियुक्ति - प्रियंका शुक्ला जी बनीं जिला उपाध्यक्ष

लोकतंत्र की शान, व्यूरो अवनीत कुमार शर्मा, लखनऊ।

राजधानी/ लखनऊ महिला प्रकोष्ठ,लखनऊ/राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के संगठन विस्तार एवं महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रियंका शुक्ला जी को जिला उपाध्यक्ष, लखनऊ महिला प्रकोष्ठ के पद पर नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में की गई है। प्रियंका शुक्ला जी का योगदान और नई भूमिका प्रियंका शुक्ला जी लंबे समय से महिला जागरूकता, समाज सेवा, संगठन निर्माण एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति से लखनऊ महिला प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा, सशक्त नेतृत्व एवं संगठनात्मक मजबूती प्राप्त होगी। राष्ट्रीय नेतृत्व का संदेश "प्रियंका शुक्ला जी जैसी समर्पित और कर्मठ महिला का जिला उपाध्यक्ष के रूप में चयन संगठन के लिए गर्व का विषय है। उनका नेतृत्व महिला शक्ति को संगठित कर संगठन को नई दिशा प्रदान करेगा।"संगठन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा का संकल्प है गौ, गंगा, गीता, गायत्री, मठ और मंदिर की रक्षा करते हुए भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाना। संगठन पूरे देश में महिला सशक्तिकरण, संस्कारशाला स्थापना, धर्म रक्षा, शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय है। संपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी, महिला प्रकोष्ठ परिवार एवं लखनऊ संगठन टीम ने प्रियंका शुक्ला जी को उनकी नई जिम्मेदारी पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

रिपोर्ट : संगठन मीडिया प्रकोष्ठ
राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा
जय हिंद - जय सनातन - जय युवा वाहिनी

मूंढापांडे सुसरालियों ने विवाहिता को खिलाया ज़हरीला पदार्थ विवाहिता के परिजनों का आरोप

मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मंडल मुरादाबाद उत्तर प्रदेश

मुरादाबाद के थाना मूंढापांडे क्षेत्र के गांव खबरिया भूड़ में सुसरालियों द्वारा महिला को ज़हर देकर जान से मार डालने का मामला सामने आया है। आप को बतादें कि, रूबी पुत्री मुहम्मद शरीफ निवासी अगवानपुर की शादी अबसे लगभग डेढ़ वर्ष पहले सद्दाम पुत्र अनवार हुसैन निवासी खबरिया भूड़ के साथ में इस्लामी रीति रिवाज के नियमों अनुसार धूमधाम से की गई थी। महिला की मां ने बताया कि शादी के बाद से ही हमारी बेटी और उसके पति व सुसरालियों में अनबन होती चली आ रही थी। कई बार दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत भी कराया गया मगर फिर भी यह लोग नहीं मानें। किन्तु सोमवार दिन के 4:00 बेटी के ससुरालियों द्वारा खबर दी गई के तुम्हारे बेटी ने ज़हरीला पदार्थ खा लिया है। जिसको गांव के ही निजी अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है खबर मिलते ही हम वहां पहुंचे तो पता चला कि बेटी ने खुद बखुद ज़हरीला पदार्थ नहीं खाया है बल्कि ससुराल पक्ष द्वारा ही जहर खिलाया गया है हम उसको मुरादाबाद जिला अस्पताल लेकर आ गए जिसका उपचार चल रहा है। और थाना मूंढापांडे में तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई है।

हसनपुर में मेडिकल स्टोर रहे बंद, ऑनलाइन दवा कारोबार के खिलाफ दिया ज्ञापन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : बुधवार को नगर के मेडिकल स्टोर पूरी तरह से बंद रहे,हसनपुर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में ऑनलाइन दवा बिक्री और कारपोरेट कंपनियों की भारी छूट नीति के खिलाफ हसनपुर के दवा कारोबारी का गुस्सा बुधवार को फूट पड़ा नगर सहित आसपास के देहात क्षेत्र में भी मेडिकल स्टोर बंद रहे, वहीं मेडिकल स्टोर संचालकों ने सरकार को चेतावनी दि है कि यदि अवैध ई फार्मेसी कारोबार पर लगाम नहीं लगाई गई तो लाखों छोटे दवा कारोबारी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा, विक्रेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम हसनपुर को सौपा कर ऑनलाइन दवा बिक्री पर कानून बनाने की मांग की है, हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड केमिस्ट एंड ड्रगईस्ट के राष्ट्रीय व्यापी आवाहन पर आयोजित की गई, हसनपुर स्थानीय केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप कुमार अग्रवाल और सचिव अरविंद कुमार गुप्ता के नेतृत्व में दवा विक्रेता एकत्र होकर नारे बाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा, इस मौके पर मुख्य रूप से भीमसेन, निजाम अहमद, रोहित, फिरोज खान, बाबा फरीद, मोहम्मद शारिक, पवन आदि सहित दर्जनों मेडिकल संचालक मौजूद रहे।

पश्चिमी यूपी में हाईकोर्ट बेंच और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तुरंत लागू हो

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: तहसील बार एसोसिएशन प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा,बुधवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी गजेन्द्र सिंह और महासचिव बृजकिशोर के नेतृत्व में वकीलों द्वारा मुख्य रूप से तीन मांगें उठाई गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 22 जिलों के वकीलों और वादकारियों को न्याय के लिए 700-800 किमी दूर प्रयागराज जाना पड़ता है। इससे गरीब और किसान न्याय से वंचित रह जाते हैं। यहाँ तुरंत इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक स्थायी खंडपीठ (बेंच) स्थापित की जाये। राज्य में वकीलों की सुरक्षा और भयमुक्त माहौल के लिए 'एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट' को शीघ्र लागू किया जाये। वकीलों के साथ अभद्र व्यवहार, लाठीचार्ज और बिना जांच एकतरफा कार्रवाई करने वाले दोषी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाये।बार एसोसिएशन ने सरकार से इन मांगों पर त्वरित विचार करने की अपील की है। ज्ञापन देने वालों में मुजाहिद चौधरी, मंगल सेन शर्मा, वीर सिंह त्यागी, शेर सिंह भढ़ाना, संजय सिंह, राजीव शर्मा, सरफराज अहमद, नासिर अली, सुनील भटनागर, नरेश पाल सिंह मौजूद थे।

सिरसी में वर्षों पुरानी समस्या खत्म, ट्रांसफार्मर हटाकर दुरुस्त की गई पाइप लाइन

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला सादक सराय मेन मार्केट में लंबे समय से बनी हुई एक गंभीर समस्या का समाधान होने से स्थानीय लोगों ने राहत महसूस की है। यहां प्राइमरी स्कूल उत्तरी के पास रखे बिजली के ट्रांसफार्मरों के नीचे से गुजर रही पेयजल पाइप लाइन पिछले करीब पांच वर्षों से क्षतिग्रस्त थी, जिससे लगातार पानी का रिसाव हो रहा था। स्थानीय नागरिकों का कहना था कि ट्रांसफार्मर और पानी की पाइप लाइन एक ही स्थान पर होने के कारण हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। कई बार संबंधित विभागों को शिकायतें देने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई थी। मामले की जानकारी मिलने पर नगर पंचायत सिरसी के अध्यक्ष कौसर अब्बास ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया और मौके पर मोबाइल ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद बिजली विभाग एवं नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रांसफार्मरों को हटाने और क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू कराया। अध्यक्ष कौसर अब्बास पूरे समय मौके पर मौजूद रहे और कार्य की निगरानी करते हुए कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते रहे। संयुक्त प्रयास से वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होने पर क्षेत्रवासियों ने संतोष जताया और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना है कि समय पर की गई इस कार्रवाई से संभावित बड़े हादसे की आशंका समाप्त हो गई है।

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन महत्वपूर्ण, समन्वित प्रयासों से सड़क दुर्घटनाओं में लाएं कमीः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को सड़क सुरक्षा के संबंध में बैठक हुई। इस अवसर पर उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने विगत दिनों लखीमपुर खीरी, अमरोहा, आगरा, अलीगढ़ आदि जनपदों में हुई मार्ग दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारे लिए प्रत्येक व्यक्ति का जीवन महत्वपूर्ण है। सड़क दुर्घटनाओं में हो रहीं मौतें देश व राज्य की क्षति है। यह दुर्घटनाएं अधिकांशतः जागरूकता के अभाव में होती हैं, ऐसे में सभी जनपदों में सड़क सुरक्षा से संबंधित विशेष अभियान चलाए जाएं। सड़क दुर्घटनाओं के संबंध में टॉप टू बॉटम हर अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। शासन स्तर पर सड़क सुरक्षा के संबंध में पाक्षिक बैठक कर कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाए। उन जनपदों व स्थलों को चिह्नित करें, जहां अधिक मार्ग दुर्घटनाएं होती हैं, वहां के कारणों का पता लगाते हुए समस्याओं के समाधान की कार्ययोजना भी बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि सड़कों पर स्टंटबाजी, ओवर स्पीड, नशे में वाहन संचालन किसी भी दशा में स्वीकार नहीं है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। आमजन की जागरूकता/सहयोग, सभी विभागों व जिला प्रशासन के समन्वित प्रयास से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। इसके लिए हमें ठोस कार्ययोजना के साथ बढ़ना होगा।

रामपुर में रविंद्र शर्मा व मोहिनी शर्मा परिवार की ओर से हुआ विराट मां भगवती जागरण, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। शहर में रविंद्र शर्मा एवं मोहिनी शर्मा परिवार की ओर से विराट मां भगवती जागरण का भव्य आयोजन कराया गया। जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और पूरी रात माता रानी के भजनों पर झूमते नजर आए। भजन संध्या के दौरान कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। जागरण के दौरान माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मां भगवती का गुणगान सुना। कार्यक्रम के समापन के बाद सुबह प्रसाद वितरण किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा पूर्वक ग्रहण किया। इस मौके पर परिवार के सदस्यों व अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उर्मिला शर्मा, रविंद्र शर्मा, मोहिनी शर्मा, अवनीत शर्मा, प्रशांत शर्मा, शनू गुप्ता, कविता गुप्ता, आयुष शर्मा, लव शर्मा, कुश शर्मा, मीना रत्ना, कमला, अंकुर शर्मा, प्रदीप गुप्ता, बृजेश शर्मा, सुमन शर्मा, यश शर्मा, पूनम शर्मा,सीतू सहित वीर सिंह, अभिषेक रस्तोगी, मिश्रा जी, सुनीता चौरसिया,साध्वी चौरसिया, तानिया चौरसिया,अचू चौरसिया, अन्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और श्रद्धालुओं में भक्ति भाव मजबूत होता है। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने में सभी सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

कुष्ठावस्था पेंशन योजना बनी सहारा, हजारों दिव्यांगजनों को मिल रहा सम्मान और संबल

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत एवं सुरक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कुष्ठावस्था पेंशन योजना कुष्ठ रोग से प्रभावित दिव्यांगजनों के लिए आर्थिक एवं सामाजिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरी है। वर्तमान में प्रदेश के 13 हजार से अधिक लाभार्थियों को इस योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 3000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह योजना ऐसे व्यक्तियों के लिए है जो कुष्ठरोग के शिकार होने के बाद दिव्यांग भी हो जाते हैं।

आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजनों को मिल रही सहायता–दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य कुष्ठ रोग से प्रभावित आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजनों को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत ऐसे सभी पात्र दिव्यांगजन लाभान्वित किए जाते हैं, जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं, जिनके परिवार की वार्षिक आय दो लाख रुपये से अधिक नहीं है तथा जो किसी अन्य सरकारी पेंशन योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर रहे हैं।

योगी सरकार ने सहायता राशि 2500 से बढ़ाकर 3000 रुपये की–योजना के प्रारंभ में लाभार्थियों को 2500 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्रदान की जाती थी, जिसे साल 2021 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच और गरीब कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के दृष्टिगत बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया था। इससे लाभार्थियों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार आया है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में जहां 4765 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त हो रहा था, वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 13667 हो गई है।

दीपा सराय में विकास कार्यों का निरीक्षण विकास कार्यों से बदल रही सम्भल की तस्वीर

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भल। नगर पालिका परिषद सम्भल की चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान के नेतृत्व में शहर में विकास कार्य लगातार नई गति पकड़ रहे हैं। वार्ड नंबर 34/35 स्थित दीपा सराय क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के लिए चेयरमैन पति एवं समाजसेवी चौधरी मुशीर अली खान पहुंचे। उनके साथ सदस्य नफीस साहब, सदस्य जलाल, जनाब चौधरी मुबाशिर खान, सदस्य गुलज़ार साहब तथा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यूथ जिलाध्यक्ष नूर मोहम्मद पाशा भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सामग्री और कार्य की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया गया। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की सुविधाओं से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए और सभी विकास कार्य तय समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की सक्रिय कार्यशैली और निगरानी में सम्भल शहर में विकास कार्यों को लगातार मजबूती मिल रही है। शहर के अलग-अलग वार्डों में नई सड़कों का निर्माण, नालियों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था तथा अन्य जनहित कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। नगर पालिका की कार्यप्रणाली से आम जनता में संतोष और खुशी का माहौल दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान के कार्यकाल में सम्भल नगर में विकास की गंगा बह रही है। लंबे समय से जर्जर पड़ी सड़कों का निर्माण कराकर नगर पालिका जनता को बड़ी राहत देने का कार्य कर रही है। शहर में सड़कों का महाजाल बिछाए जाने से आने वाले समय में यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी तथा लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। समाजसेवी चौधरी मुबाशिर खान ने भी नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सम्भल नगर तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है और जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विकास कार्यों के निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय लोगों ने चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान तथा अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका की मेहनत से शहर की तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है।

रामपुर में अवैध प्लाटिंग पर डीएम अजय द्विवेदी का ताबड़तोड़ अभियान, मचा हड़कंप

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ जिलाधिकारी अजय द्विवेदी द्वारा लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिना अनुमति के की जा रही अवैध कॉलोनियों और प्लाटिंग पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। डीएम अजय द्विवेदी इस मामले को लेकर पूरी तरह चौकन्ने और सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। प्रशासन की टीमों द्वारा कई स्थानों पर जांच अभियान चलाकर अवैध रूप से किए जा रहे निर्माण कार्यों और प्लाटिंग की जानकारी जुटाई जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि बिना नक्शा पास कराए और नियमों का पालन किए बिना की जा रही प्लाटिंग को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीएम अजय द्विवेदी के निर्देश पर संबंधित विभागों को सख्ती के साथ कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं प्रशासन के इस ताबड़तोड़ अभियान से अवैध कॉलोनी काटने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में अवैध प्लाटिंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर मुकदमा दर्ज कराकर संपत्ति जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी। रामपुर प्रशासन का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गजरौला में नेशनल हाईवे 9 पर भीषण हादसे में चार लोगों की मौत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

गजरौला: मंगलवार देर रात गजरौला थाना क्षेत्र में दिल्ली लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया इस दुर्घटना में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जानकारी के अनुसार एक तेज रफ्तार वेगनर कर को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि कर के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, मृतकों में तीन लोग पश्चिम बंगाल के निवासी बताए जा रहे हैं जबकि एक व्यक्ति उत्तर प्रदेश के बरेली का रहने वाला था, हादसे में घायल हुए दोनों लोगों को गंभीर हालत में हायर सेंटर में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है हादसे के बाद राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचत कार्य शुरू कराया, पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

बरेली में जनसुनवाई बनी आमजन की उम्मीद, एसएसपी ने फरियादियों की समस्याएं सुन दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) जनता और पुलिस के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा आमजन को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से एसएसपी कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। किसी ने भूमि विवाद की शिकायत की, तो किसी ने पारिवारिक उत्पीड़न, धोखाधड़ी, मारपीट एवं अन्य मामलों में न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी ने एक-एक शिकायतकर्ता की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान एसएसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और पीड़ितों को कार्रवाई की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि लोगों का विश्वास पुलिस व्यवस्था पर और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति को त्वरित राहत पहुंचाना भी है। कार्यक्रम के दौरान कई फरियादियों ने अपनी समस्याओं को सीधे वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने की व्यवस्था की सराहना की। लोगों का कहना था कि जनसुनवाई जैसे कार्यक्रमों से आम नागरिकों को अपनी बात रखने का मंच मिलता है और मामलों के समाधान की उम्मीद बढ़ती है। एसएसपी ने यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा एवं न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए तथा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से एक बार फिर यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि पुलिस प्रशासन जनता की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए हर समय तत्पर है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत:खरबूज और खीरा लेकर जा रहा था, एक घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के हथसारगंज ओपी क्षेत्र में मालटोली के पास एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार दो युवकों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक की पहचान हथसारगंज ओपी के मालटोली गांव निवासी राम इकबाल सहनी के 20 वर्षीय पुत्र बादल कुमार के रूप में हुई है। घायल चालक मालटोली गांव के ही लक्ष्मण सहनी का 22 वर्षीय पुत्र पंकज सहनी है। उसे तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज चल रहा है। मृतक के परिजनों ने बताया कि बादल कुमार ट्रैक्टर पर खरबूज और खीरा लेकर जा रहा था, तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में बादल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। बादल कुमार अपने तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था और खेती का काम करता था।

3814 बेटिकट यात्रियों से 25.32 लाख रुपए की वसूली, सोनपुर मंडल में टिकट चेकिंग अभियान

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के सोनपुर मंडल में मई माह में एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को नियमसम्मत और सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करना, रेलवे राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना था। यह विशेष अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री अमित सरन के कुशल नेतृत्व और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री धीरज कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसमें मंडल की विभिन्न टिकट जांच टीमों, वाणिज्य निरीक्षकों और रेलवे स्टाफ के समन्वित प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अभियान के अंतर्गत मंडल के प्रमुख स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों, यात्री ट्रेनों तथा संवेदनशील रेलखंडों में सघन टिकट जांच की गई। इसका मुख्य फोकस उन यात्रियों पर था जो बिना वैध टिकट के यात्रा कर रहे थे या अनुचित श्रेणी में सफर कर रहे थे। इस व्यापक जांच अभियान के दौरान टिकट जांच टीमों ने कुल 3814 ऐसे मामले दर्ज किए, जिनमें यात्री बिना टिकट, अनियमित टिकट अथवा अनुचित श्रेणी में यात्रा करते पाए गए। इन मामलों से रेलवे को कुल 25,32,753 की राशि जुर्माना एवं अतिरिक्त किराए के रूप में प्राप्त हुई। सोनपुर मंडल यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान निरंतर जारी रखेगा। रेलवे ने सभी सम्मानित यात्रियों से अपील की है कि वे सदैव वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें और रेलवे नियमों का पालन करें।

दवा दुकानदारों ने ऑनलाइन बिक्री के खिलाफ दुकानें की बंद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में दवा दुकानदारों ने अपनी दुकानें एक दिन के लिए बंद रखीं। यह कदम ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के आह्वान पर उठाया गया। उनकी मुख्य मांगों में ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक, जीएसआर 817 और कोविड जीएसआर 220 को वापस लेना, कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा भारी छूट पर नियंत्रण और नकली दवाओं से देश को बचाना शामिल है। इस बंद के दौरान जीवन ज्योति मेडिकल, साहू मेडिकल, कुमार केमिस्ट, आदर्श मेडिकल, चौधरी मेडिकल और विनोद मेडिकल सहित लालगंज की सभी दवा दुकानें बंद रहीं। दवा दुकानदारों ने लालगंज के गांधी चौक पर हाथों में अपनी मांगों से संबंधित पोस्टर लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होंगे। दवा दुकानदारों ने बंद के कारण मरीजों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया और अपने आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। हालांकि, मेडिकल दुकानें बंद रहने से मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दवा लेने पहुंचे एक मरीज ने बताया कि डॉक्टर से जांच कराने के बाद भी दुकानें बंद होने के कारण उन्हें दवा के लिए भटकना पड़ा।

दुर्घटना में महिला समेत 2 की मौत, बाइक की टक्कर से हादसा, सिर पर चोट लगने से युवक की गई जान

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में महुआ-ताजपुर सड़क पर हरपुर बेलवा गांव के पास मंगलवार देर रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान डभैच्य गांव निवासी आकाश कुमार बेटे(22) उमेश राय और चकसीया गांव निवासी स्वर्गीय सुरेश पासवान की पत्नी ललिता देवी(60) के रूप में हुई है। उमेश राय अपनी बाइक से हाजीपुर जा रहे थे। हरपुर बेलवा के निकट उनकी बाइक ने सड़क पार कर रही एक महिला को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आकाश अपनी बाइक सहित सड़क पर गिर गए, जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल महिला को स्थानीय लोगों ने महुआ अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना में महिला का पोता सौरभ कुमार भी घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है। सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत की सूचना मिलते ही महुआ पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक युवक आकाश के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

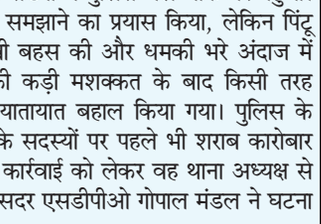

लावारिस बाइक जब्त करने पर 2 घंटे तक हंगामा, थानाध्यक्ष को जान से मारने की दी धमकी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र में एक युवक ने लावारिस बाइक जब्त होने के बाद थाना परिसर में हंगामा किया। आरोपी ने थाना अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी दी और फिर सड़क जाम कर करीब दो घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा किया। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे महेश चौक पर शुरू हुई, जब पुलिस को बिना नंबर प्लेट की एक लावारिस मोटरसाइकिल मिली। बेलसर थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बाइक को जब्त कर थाने ले आए। इसी दौरान पिंटू कुमार नामक युवक थाने पहुंचा और बाइक को अपनी बताते हुए वापस मांगने लगा। थाना अध्यक्ष द्वारा गाड़ी के कागजात मांगे जाने पर युवक भड़क गया। आरोप है कि पिंटू कुमार ने थाना परिसर में ही हंगामा करते हुए थाना अध्यक्ष को गाली दी और जान से मारने की धमकी भी दी। हंगामे के बाद युवक थाना परिसर से बाहर निकला और करीब 100 मीटर दूर एक एजेंसी की गाड़ी सड़क पर लगाकर जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और लगभग दो घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने पर लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल, इंस्पेक्टर सुबोध कुमार और भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन पिंटू कुमार ने एसडीपीओ से भी तीखी बहस की और धमकी भरे अंदाज में बात की। पुलिस अधिकारियों की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह सड़क जाम हटवाया गया और यातायात बहाल किया गया। पुलिस के अनुसार, पिंटू कुमार के परिवार के सदस्यों पर पहले भी शराब कारोबार से जुड़े मामले दर्ज हैं, और इसी कार्रवाई को लेकर वह थाना अध्यक्ष से पहले से ही नाराज चल रहा था। सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने घटना की पुष्टि की है।

सौर बाजार में विशेष वाहन जांच अभियान 56 वाहनों से 2.65 लाख जुर्माना वसूला

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिला प्रशासन के निर्देश पर सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति आम नागरिकों और वाहन चालकों को जागरूक करने तथा नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सौर बाजार प्रखंड क्षेत्र में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी-सह-प्रवर्तन पदाधिकारी श्री सुजीत कुमार बरवाल ने किया। अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन के लिए जागरूक किया गया। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चारपहिया चालकों को सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, वाहन चालकों को अपने वाहनों के आवश्यक दस्तावेज जैसे बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, फिटनेस और ड्राइविंग लाइसेंस आदि अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान जिन वाहन चालकों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया गया या आवश्यक कागजात पूर्ण नहीं पाए गए, उनके विरुद्ध परिवहन विभाग के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने वालों पर चालान काटा गया। इसके अतिरिक्त ओवरलोडिंग कर रहे ट्रैक्टर और ट्रकों पर भी विशेष नजर रखते हुए कार्रवाई की गई। इस अभियान में मोटरसाइकिल, टेम्पो, ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा सहित अन्य वाहनों की सघन जांच की गई। कुल 56 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 2,65,000 (दो लाख पैंसठ हजार रुपये) का अर्थदंड वसूला गया। अभियान में अपर जिला परिवहन पदाधिकारी श्री जीशान अहमद, मोटर वाहन निरीक्षक श्री बृजमोहन पटवारी सहित परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी, प्रवर्तन उपनिरीक्षक, चलंत दस्ता, सिपाही एवं होमगार्ड के जवान मौजूद रहे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सभी आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

राहुल गांधी का बयान दुर्भाग्यपूर्ण, देश की जनता का अपमान : जैफ खामंसूरी

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: भाजपा नेता जैफ खामंसूरी ने कांग्रेस नेता Rahul Gandhi के हालिया बयान की कड़ी आलोचना करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अराजकतावादी मानसिकता का परिचायक बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में जहां शुचिता, सामाजिकता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की परंपरा रही है, वहां इस प्रकार के बयान अत्यंत निंदनीय हैं। जैफ खामंसूरी, जो दादा बाड़ी मंडल के सदस्य भी हैं, ने कहा कि लगातार हो रही राजनीतिक हार और निराशा राहुल गांधी के व्यवहार और वक्तव्यों में स्पष्ट रूप से झलक रही है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश की जमीन और जमीर को कमजोर करने का काम किया गया और सैनिकों का मनोबल बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं हुए। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में देश की सुरक्षा मजबूत हुई है और जनता का आत्मविश्वास बढ़ा है। साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार चरम पर था, जबकि वर्तमान सरकार आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सफल रही है और देश की नीतियों के कारण पड़ोसी देश भी प्रभावित नजर आते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह बयान न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का भी अपमान है। उन्होंने ऐसे बयानों पर सख्त कानून बनाए जाने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस अब मुद्दों से भटकी हुई पार्टी बनकर रह गई है।

सिपाही भर्ती परीक्षा की डेट जारी 14 से 24 जून तक होंगे एग्जाम

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) यानी CSBC ने तीन अलग-अलग सिपाही भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इन परीक्षाओं का आयोजन 14 जून 2026 से 24 जून 2026 तक किया जाएगा। CSBC की ओर से जारी सूचना के अनुसार, सभी परीक्षाएं बिहार के 38 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होंगी। विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम और जरूरी दिशा-निर्देश आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

4,236 पदों के लिए होगी पहली परीक्षा: विज्ञापन संख्या 03/2025 के तहत मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल और चलंत दस्ता सिपाही के कुल 4,236 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 14 जून और 17 जून 2026 को आयोजित होगी। यह भर्ती अभियान सबसे बड़ा माना जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

विज्ञापन संख्या 02/2026 के तहत बिहार पुलिस दूरसंचार (वितंतु) एवं तकनीकी संवर्ग में सिपाही (प्रचालक) के 993 पदों पर भर्ती होनी है। इस भर्ती की लिखित परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत विशेष शाखा, बिहार में सिपाही के 83 पदों पर भर्ती की जाएगी।

चानन पंचायत में जीविका हाट का शुभारंभ ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार का नया मंच

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिले के सलखुआ प्रखंड अंतर्गत चानन पंचायत में ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जीविका हाट का उद्घाटन किया गया। इस हाट का उद्घाटन उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार द्वारा मनरेगा के सहयोग से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान किया गया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि जीविका हाट ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके उत्पादों को स्थानीय बाजार उपलब्ध कराने का एक सशक्त माध्यम साबित होगा। उन्होंने जीविका दीदियों से अपील की कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपनी आजीविका गतिविधियों को सुदृढ़ करें। बताया गया कि यह जीविका हाट सप्ताह में दो दिन संचालित किया जाएगा, जहां जीविका दीदियां ताजी सब्जियां एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं का विक्रय करेंगी। इससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध होंगी और महिलाओं की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने जीविका दीदियों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर डीआरडीए निदेशक, जिला परियोजना प्रबंधक श्री श्लोक कुमार, बीपीएम सलखुआ, प्रखंड प्रमुख श्रीमती सरिता संगम, स्थानीय मुखिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 300 से अधिक जीविका दीदियों की सहभागिता रही। जिला प्रशासन ने इस पहल को ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया है।

vivo V50

पहले पति ने सास-ससुर, पत्नी और बच्चे को लगाई आग

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में बुधवार को पति ने पत्नी, बच्चे, वाइफ के साथ-साथ सास, ससुर को आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, महिला का पहला पति और आरोपी कन्हाई कुमार अपने साथ पेट्रोल लेकर आया था। घर में घुसते ही उसने सभी के ऊपर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। इस हमले में पुरुषोत्तम अग्रवाल (ससुर), नीलम देवी (सास), मुन्नी देवी (पत्नी) और एक बच्चा गंभीर रूप से झुलसा है। चारों का गंभीर हालत में NMCH में इलाज चल रहा है। हमले में आरोपी कन्हाई कुमार भी झुलसा है। पुलिस ने उसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मुन्नी देवी ने 15 दिन पहले कन्हाई कुमार को छोड़कर गोविंद से शादी की थी। बताया जा रहा है कि कन्हाई कुमार इसे लेकर नाराज था।

घर में घुसकर सभी को जलाया गया: पड़ोसियों ने बताया कि, सुबह करीब 10.30 बजे राजा बाबू खाटू श्याम गली में गोविंद अग्रवाल के घर से आग की लपटें उतरी दिखीं। हम लोग दौड़ते हुए वहां पहुंचे। अंदर देखा तो 4 लोग बुरी तरह से जल रहे थे। आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया और पुलिस को भी जानकारी दी गई। पुलिस की मदद से सभी को रेस्क्यू किया गया। संकरी गली होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई, लेकिन स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

15 दिन पहले की थी शादी: मुन्नी देवी के दूसरे पति गोविंद अग्रवाल ने बताया, "कन्हाई (आरोपी) अपनी पत्नी मुन्नी को बहुत पीटता था। इसके बाद मुन्नी ने उसे तलाक दे दिया। 15 दिन बाद मुन्नी ने मेरे साथ शादी कर ली। तलाक के एवज में कन्हाई ने हमसे 3 लाख 47 हजार रुपए लिए। उसके बाद से भी वह लगातार पैसे की मांग करता रहता था। उसने वारदात से पहले मुझे फोन किया। पूछा कि कहा हो। मैंने कहा- ऑफिस में हूं। मौके का फायदा उठाकर वो घर में घूसा और सभी

♦ दूसरा पति बोला- तलाक के 3.50 लाख दिए और मांग रहा था, पेट्रोल लाया था

को पेट्रोल डालकर आग लगा दी। कन्हाई बोतलों में पेट्रोल भरकर आया था। एक बोतल पेट्रोल गली में पड़ी हुई थी।"

पुलिस बोली- हमले में आरोपी भी घायल हुआ है: पटना सिटी SDP-2 गौरव कुमार ने बताया, कन्हाई कुमार जो पटना सिटी के रहने वाले हैं, उनकी पहली पत्नी मुन्नी कुमारी है। मुन्नी कुमारी की दूसरी शादी अप्रैल महीने में गोविंद अग्रवाल के साथ हुई थी। इसी गुस्से में कन्हाई कुमार ने बुधवार की सुबह कंगन घाट के नजदीक से ज्वलनशील पदार्थ खरीदा और लगभग 10:15 बजे के आसपास मुन्नी के ससुराल पहुंचा। कन्हाई ने गोविंद अग्रवाल के घर पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़कर आग लगा दी। इस हादसे में गोविंद कुमार की पत्नी मुन्नी देवी, उनकी मां नीलम देवी, पिता पुरुषोत्तम प्रसाद उनके दो बच्चे आज में झुलस कर घायल हो गए। कन्हाई कुमार भी इस घटना में घायल हो गए हैं। पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर पूरे मामले की पूछताछ कर रही है।

नीट पेपर लीक, राजद छात्र विंग ने जताया आक्रोश

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना में आज राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के छात्र विंग SSAI की ओर से NEET पेपर लीक मामले को लेकर प्रतिरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान पुतला दहन किया गया। राजद कार्यालय से पैदल मार्च कर इनकम टैक्स गोलंबर पर पुतला दहन करना था। हालांकि प्रशासन की ओर से परमिशन नहीं दी गई। इसके बाद राजद कार्यालय के बाहर ही छात्र संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया।

छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ का आरोप: राजद छात्र विंग का कहना है कि लगातार हो रहे पेपर लीक से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की कमी के कारण मेहनत करने वाले छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी: प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक बंद करो, "छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो" और "नीट परीक्षा में पारदर्शिता लागू करो" जैसे नारे लगाए। इस प्रतिरोध मार्च में बड़ी संख्या में छात्र और राजद कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। संगठन ने छात्रों से आंदोलन में शामिल होकर अपनी आवाज उठाने की अपील की है।

'देश की जनता त्रस्त, मोदी जी विदेश यात्रा में मस्त'

लोकतंत्र की शान, पटना

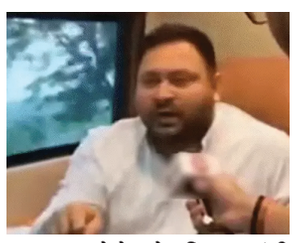

बिहार की सियासत में शिक्षा को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के बयान पर तीखा पलटवार किया है। शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल में पढ़ाने की बात कहे जाने के बाद तेजस्वी यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए बीजेपी और एनडीए नेताओं पर निशाना साधा।

तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'सरकारी स्कूलों से पढ़कर ही कई लोग IAS और IPS बने हैं। तेजस्वी ने कहा कि, आज IAS और IPS की संख्या घट गई है, जिस तादात में लोग पहले जाते थे। सरकारी स्कूलों का मजाक उड़ाना गलत है।' तेजस्वी यादव ने कहा कि, 'लालू-राबड़ी सरकार के समय शिक्षा मंत्री के परिवार का भी कोई न कोई सदस्य सरकारी स्कूल में जरूर पढ़ा होगा।

क्या बोले थे शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी?: पिछले दिनों शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा था कि उन्होंने "एजिटेशन" शब्द कहा था, लेकिन तेजस्वी उसे "एजुकेशन" समझ बैठे। मिथिलेश तिवारी ने कहा, "मैं शिक्षा मंत्री हूं, इसलिए तेजस्वी यादव की मैट्रिक तक की पढ़ाई सुनिश्चित कराना भी मेरी जिम्मेदारी है।' इधर, राष्ट्रीय जनता दल ने पटना स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

पटना में जलजमाव को लेकर मंत्री रामकृपाल यादव सख्त

लोकतंत्र की शान, पटना

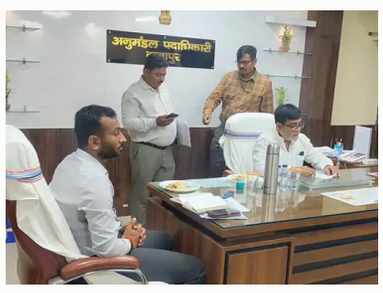

❐ दानापुर-खगौल में काम तेज करने के दिए निर्देश, समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिया डेडलाइन

पटना के दानापुर और खगौल नगर परिषद क्षेत्रों में हर साल होने वाली जलजमाव की गंभीर समस्या को लेकर बुधवार को अनुमंडल कार्यालय में अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने की। बैठक में बुडको, आरसीसी, नगर परिषद और सिंचाई विभाग समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश में लोगों को नहीं होनी चाहिए परेशानी: बैठक के दौरान मंत्री रामकृपाल यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि इस बार मानसून के दौरान दानापुर और खगौल के लोगों को जलजमाव की समस्या से राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि, हर साल थोड़ी सी बारिश में सड़कें और मोहल्ले जलमग्न हो जाते हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। इसे रोकने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समय पर कार्य पूरा करना होगा।

नाला निर्माण और सफाई पर विशेष जोर: मंत्री ने नाला निर्माण और जल निकासी व्यवस्था को लेकर विशेष गंभीरता दिखाई। उन्होंने संबंधित विभागों को मानसून शुरू होने से पहले सभी निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को समय पर नालों की उड़ाही कराने और जहां जल निकासी बाधित है वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बेली रोड नाला परियोजना की भी हुई समीक्षा: बैठक में बेली रोड के दोनों किनारों पर बन रहे बड़े नाले के निर्माण कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बारिश शुरू होने से पहले इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए, ताकि सड़क पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न न हो।

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी: रामकृपाल यादव ने साफ कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल निकासी व्यवस्था में कोताही सामने आई तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूद: बैठक में एसडीओ Aniruddh Pandey, नगर परिषद ईओ सह प्रशासक Pankaj Kumar, खगौल नगर परिषद के अधिकारियों के अलावा बुडको, आरसीसी और सिंचाई विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंत्री को विभिन्न योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी सौंपी।

संक्षिप्त समाचार

जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 कोच से होगी संचालित

यात्रियों को मिलेगी अतिरिक्त सीटें

लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में डिब्बों की संख्या में 08 से बढाकर 20 डिब्बों से संचालित की जा रही है। इस रेलसेवा की उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा जोधपुर-दिल्ली के मध्य संचालित होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 04871, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस एक तरफा उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा दिनांक 22.05.26 को जोधपुर से 12.30 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर 17.10 बजे आगमन व 17.15 बजे प्रस्थान कर 22.20 बजे दिल्ली कैंट पहुँचेगी। यह उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा मार्ग में मेडता रोड, डेगाना, मकराना, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, अलवर, रेवाडी व गुडगॉव स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 02 एक्जिक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकुलित चेयरकार व 02 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 डिब्बे होगे। नियमित गाडी संख्या 26481/26482, जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 24.05.26 से 02 एक्जिक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकुलित चेयरकार व 02 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 होगे।

अमृतसर में दस किलो आईस व चार किलो हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। अमृतसर पुलिस ने नशा तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए दो तस्करों के कब्जे से दस किलो आईस (मेथामफेटामाइन) और 4 किलो हेरोइन बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपित विदेश में बैठे एक बड़े ड्रग तस्कर के संपर्क में थे, जो दुबई और अबूधाबी से इस पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहा था। वह उसी के निर्देशों पर पंजाब और दिल्ली में नशीले पदार्थों की सप्लाई का काम कर रहे थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि एक आरोपित हाल ही में दुबई से वापस लौटा था, जहां उसे इस अवैध कारोबार के लिए प्रशिक्षण दिया गया था और उसे हेरोइन व आईस की खेपों की तस्करी का जिम्मा सौंपा गया था। उन्होंने बताया कि यह नेटवर्क पंजाब के माझा और दोआबा क्षेत्रों में नशे की सप्लाई को फैलाने में सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और इस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां तथा बरामदगियां संभव हैं, क्योंकि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

हाल ही में जेल से छूटे सतलोक आश्रम के संचालक रामपाल से मिलीं नवजोत कौर सिद्धू

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पूर्व मंत्री पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने हाल ही में जेल से छूटे सतलोक आश्रम प्रमुख रामपाल से मुलाकात करके हरियाणा व पंजाब की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। सतलोक आश्रम संचालक रामपाल 11 साल जेल में रहने के बाद 10 अप्रैल को जमानत पर बाहर आया है। रामपाल के सोशल मीडिया चैनल 'स्प्रीचुअल लीडर संत रामपाल जी' पर इस मुलाकात का एक वीडियो शेयर किया गया है। वीडियो में नवजोत कौर और रामपाल की बीच बातचीत है। कौर अपना परिचय करवाते हुए कहती हैं, मैं डॉक्टर नवजोत कौर सिद्धू पटियाला से आई हूं। मुझे आपसे मिलने जेल आना था, मगर भगवान ने मेरी सुन ली और आपको बाहर बुला दिया। इस पर रामपाल कहता है कि आपकी दुआएं मुझे ले आई। लोगों की सेवा राजनीति से ही नहीं धर्मनीति से भी हो सकती है। बस लोगों को अपनी नीति ठीक करने की जरूरत है। रामपाल से मुलाकात के दौरान नवजोत कौर से रामपाल से कहा कि मैं आपसे भक्ति लेने आई हूं। रामपाल ने कहा कि भक्ति और सेवा सबसे ऊपर है। नवजोत कौर ने कहा कि, मैं राजनीति से नहीं धर्म से देश की सेवा करना चाहती हूं। डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने करीब 3 महीने पहले फतेहगढ़ साहिब स्थित सतलोक आश्रम में गई थी। पंजाब में इन दिनों स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं और अगले कुछ महीने बाद विधानसभा चुनाव हैं। पिछले कुछ समय से रामपाल के अनुयायी पंजाब में अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं। पंजाब में कई जहग सत्संग हो रही है और कई शहरों में लगातार डेरों की स्थापना की जा रही है।

झुंझुनू में स्कूटी सवार दंपती को डंपर ने कुचला पत्नी की मौत

लोकतंत्र की शान : झुंझुन। झुंझुनू जिले में एक तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी सवार पति-पत्नी को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई और पति की हालत गंभीर बनी हुई है। जिसे जयपुर रेफर किया गया है। युवक पत्नी को एग्जाम दिलाने जा रहा था। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसा झुंझुनू शहर में कोतवाली थाना इलाके के गोलाई मोड़ पंचदेव मंदिर के आगे इंडाली बाइपास पर बुधवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे हुआ। कोतवाली थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि हादसे में पूजा मेघवाल (24) की मौत हो गई है। जबकि मनजीत मेघवाल (29) की गंभीर हालत बनी हुई है। पुलिस के अनुसार पूजा झुंझुनू के राजस्थान कॉलेज से बीएड कर रही थी। बुधवार को उसका एग्जाम था। सुबह वह पति मनजीत के साथ सोलाना से निकली थी। दोनों स्कूटी पर थे। इसी दौरान इंडाली गेट के पास गोलाई मोड़ पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने पति-पत्नी को टक्कर मार दी। अचानक सामने से आए डंपर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। डंपर पूजा के कमर से ऊपर के हिस्से को कुचलते हुए निकल गया। वहीं युवक उछलकर दूर जा गिरा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर मिले मोबाइल से युवक के घर पर कॉल किया और उन्हें हादसे के बारे में बताया। परिजनों ने बताया कि पूजा एग्जाम के चलते 3 महीने के मासूम बेटे को घर पर ही छोड़कर गई थी। मनजीत के पिता की मौत हो चुकी है। घर पर बच्चे के साथ उसकी मां थी। मनजीत की दो बहनें भी हैं जिनकी शादी हो चुकी है। मनजीत पेट्रोल पंप पर सेल्समेन है। हादसे के बाद मेघवाल समाज के लोग बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर इकट्ठा हुए। उन्होंने कार्रवाई नहीं होने तक शव लेने से इनकार कर दिया।

स्क्रैप गोदाम में सेंध, सरिए से ताला तोड़ कर 50 किलो तांबा और नकदी ले उड़ा चोर

लोकतंत्र की शान : चित्तौड़गढ़। शहर के सदर थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन मार्ग के पास स्थित स्क्रैप के गोदाम में बेखौफ चोर ने सेंध लगाई। चोर ने लोहे के सरिए से ताले तोड़कर गल्ले से नकदी और करीब 50 किलो तांबा चुरा लिया। पूरी वारदात सीसी टीवी में कैद हो गई। पुलिस के अनुसार रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हरीश ओडवाणी का स्क्रैप गोदाम है। शाम को व्यवसाई गोदाम पर ताला लगा कर घर चले गए थे। रात को अज्ञात चोर गोदाम में घुसा और वारदात को अंजाम दिया। गोदाम में लगे सीसी टीवी फुटेज में एक संदिग्ध बदमाश दिखाई दिया। फुटेज में चोर लोहे के सरिए से ताला तोड़ता और गोदाम की तलाशी लेता नजर आ रहा है। चोर मौके से करीब 50 किलो तांबा, अन्य स्क्रैप सामग्री और गल्ले में रखे 10 हजार रुपए नकद चुरा ले गया।

रुपए के लेनदेन के विवाद में व्यापारी की हत्या

- हादसे का रूप देने के लिए बोलेरो सहित खड्डे में फेंकी लाश
- खींवसर थाना पुलिस ने हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार
- 10 साल पुराने व्यापारिक संबंध बने विवाद की वजह

लोकतंत्र की शान

नागौर/मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। नागौर जिले के खींवसर थाना क्षेत्र में बोलेरो वाहन दुर्घटना में हुई मौत का मामला अब हत्या में बदल गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की हत्या कर शव को बोलेरो गाड़ी सहित गहरे खड्डे में डालकर दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी पुनाराम जाट निवासी खुण्डाला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 25 जनवरी 2026 को परिवादी पन्नाराम पुत्र स्वर्गीय घमडाराम ने रिपोर्ट पेश कर बताया था कि उसके पिता घमडाराम 24 जनवरी को अपनी बोलेरो गाड़ी लेकर पांचला सिद्धा आश्रम में जागरण में जाने की बात कहकर घर से निकले थे। वापस लौटते समय उनकी गाड़ी सड़क किनारे गहरे खड्डे में गिरी मिली तथा घमडाराम का शव वाहन में पड़ा मिला। प्रारंभिक रिपोर्ट में परिवादी ने किसी प्रकार का संदेह नहीं जताया, जिस पर पुलिस ने मर्ग नंबर 03/2026 धारा 194 बीएनएसएस 2023 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक घमडाराम और पुनाराम के बीच पिछले करीब 10 वर्षों से अनाज व्यापार तथा रुपयों के लेनदेन की बात सामने आई। इसी दौरान परिवादी पन्नाराम ने अपने पिता की हत्या की आशंका जताते हुए आरोपी पुनाराम के खिलाफ रिपोर्ट दी। इसके बाद खींवसर थाना पुलिस ने प्रकरण संख्या 60/2026 धारा 103(1) बीएनएस 2023 में हत्या का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। पुलिस ने घटनास्थल और क्षतिग्रस्त बोलेरो वाहन का बारीकी से मौका मुआयना किया। जिला मुख्यालय से एफएसएल एवं एमओबी टीम को बुलाकर वैज्ञानिक जांच कराई गई। साथ ही मृतक और आरोपी के मोबाइल नंबरों की सीडीआर का विश्लेषण कर तकनीकी साक्ष्य जुटाए गए। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आरोपी पुनाराम पुत्र बीरमाराम जाट निवासी खुण्डाला को दस्तयाब कर गहन पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि मृतक घमण्डाराम बार-बार रुपयों की मांग कर रहा था, जिससे वह परेशान था। इसी कारण उसने हत्या की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार आरोपी 24 जनवरी को पांचला सिद्धर पहुंचा और वहां एक मिठाई की दुकान पर अपना मोबाइल खराब होने का बहाना बनाकर दूसरे व्यक्ति का मोबाइल लिया। इसके बाद उसने घमण्डाराम को फोन कर कहा कि उसके पास रुपए आ गए हैं और रुपए लेने के लिए बुलाया। बाद में आरोपी अपनी मोटरसाइकिल से पांचलासिधा स्थित अपने ईजारे पर लिए गए कृषि ट्यूबवेल पर पहुंच गया। शाम करीब पांच से छह बजे घमण्डाराम बोलेरो गाड़ी लेकर घर से निकले और रात करीब आठ से साढ़े आठ बजे आरोपी के कृषि ट्यूबवेल पर पहुंचे। वहां दोनों के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर कहासुनी और गाली-गलौज हुई। इसी दौरान आरोपी पुनाराम ने लोहे के सरिये से घमण्डाराम के सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने पूरे मामले को सड़क दुर्घटना दिखाने की साजिश रची। आरोपी ने मृतक के शव को बोलेरो गाड़ी में डालकर स्वयं वाहन चलाया और पांचलासिधा से नारवा जाने वाली डामर सड़क के पास गहरे खड्डे में वाहन गिरा दिया। इसके बाद आरोपी पैदल अपने घर लौट गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय में पेश किया, जहां से पीसी रिमांड प्राप्त किया गया है। मामले में आगे की पूछताछ और अनुसंधान जारी है।

नून्द के चारभुजा मंदिर में भक्ति की बही अविरल धारा

- पूर्णाहुति के साथ श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव सम्पन्न

लोकतंत्र की शान, मेड़ता रोड

एजाज़ अहमद उस्मानी। ग्राम नून्द स्थित चारभुजा मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय विशाल संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन एवं पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हो गया। समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। पावन धाम वृंदावन से पधारे आचार्य अवधेश महाराज (मेहंदीपुर बालाजी वाले) ने कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश देते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा श्रवण से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है और मन को शांति प्राप्त होती है। समापन अवसर पर वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार हवन का आयोजन किया गया। इसमें धर्मेंद्र वैष्णव, नटवर लाल वैष्णव एवं सुमेर सिंह राठौड़ मुख्य यजमान के रूप में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति देकर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। हवन के दौरान वातावरण वेद मंत्रों और जयकारों से गूंज उठा। महोत्सव के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गोवर्धन पूजा, कृष्ण-रुक्मणी विवाह तथा सुदामा चरित्र जैसे धार्मिक प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। कथा स्थल को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप दिया गया था। आयोजन समिति ने कथा महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग देने वाले ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और सेवाभावी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने पटपरा जन चौपाल में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, बच्चों में बांटे खिलौने

- उप तहसील संचालन की घोषणा, 'बचपन अभियान' से नन्हें चेहरों पर बिखरी मुस्कान

ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित समाधान और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से पटपरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। जन चौपाल में कलेक्टर विकास मिश्रा ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन चौपाल के दौरान कलेक्टर विकास मिश्रा ने क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात देते हुए पटपरा में उप तहसील कार्यालय प्रारंभ किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उप तहसील शुरू होने से स्थानीय लोगों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम में संवेदनशील पहल 'बचपन अभियान' की भी झलक देखने को मिली। सीधी शहर के विभिन्न वार्डों से एकत्रित पुराने एवं नए खिलौनों को आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों के बीच वितरित किया गया। खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे कार्यक्रम में आत्मीयता एवं उत्साह का वातावरण बन गया। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए पंचायत प्रतिनिधियों से स्थानीय समस्याओं के त्वरित समाधान और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य केवल समस्याएं सुनना नहीं, बल्कि उनके प्रभावी समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

ऑनलाइन दवा बिक्री और नकली दवाओं के विरोध में मेड़ता रोड व मेड़ता सिटी के मेडिकल स्टोर रहे बंद

लोकतंत्र की शान, मेड़ता रोड

एजाज़ अहमद उस्मानी। ऑनलाइन दवा बिक्री तथा बाजार में बढ़ रही नकली और घटिया गुणवत्ता की दवाइयों के विरोध में बुधवार को मेड़ता रोड और मेड़ता सिटी क्षेत्र के सभी मेडिकल स्टोर पूर्ण रूप से बंद रहे। यह बंद 'ऑल इंडिया एवं राजस्थान केमिस्ट एसोसिएशन' के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय दवा विक्रेताओं ने भी एकजुट होकर समर्थन दिया। बंद के दौरान मेड़ता रोड और आसपास के क्षेत्रों में अधिकांश मेडिकल दुकानें दिनभर बंद नजर आईं। केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन फार्मेसी के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय मेडिकल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, वहीं बिना उचित चिकित्सकीय परामर्श और सत्यापन के इंटरनेट के माध्यम से दवाइयों की बिक्री आमजन के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। एसोसिएशन ने कहा कि वर्तमान समय में बाजार में नकली एवं निम्न गुणवत्ता वाली दवाइयों का नेटवर्क तेजी से फैल रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। संगठन का कहना है कि कई बार मरीज अनजाने में ऐसी दवाइयों का सेवन कर लेते हैं, जिससे बीमारी बढ़ने के साथ-साथ जान का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। केमिस्ट एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण, दवाइयों की बिक्री के लिए कड़े नियम लागू करना तथा नकली दवाओं के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई करना शामिल है। पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल व्यापारिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कहा,-"यह लड़ाई केवल केमिस्टों के व्यवसाय की नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने की भी है। यदि बिना निगरानी दवाइयों की बिक्री जारी रही तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।"

मेडिकल स्टोर बंद रहने के कारण दिनभर मरीजों और उनके परिजनों को दवाइयां खरीदने में परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, एसोसिएशन की ओर से दावा किया गया कि आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सेवाओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया गया, ताकि गंभीर मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बंद को लेकर क्षेत्र के दवा व्यापारियों में व्यापक एकजुटता देखने को मिली। स्थानीय व्यापारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जा सकता है।

तेंदूपत्ता तोडऩे गई महिला पर जंगली सुअर ने किया हमला

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के वन परिक्षेत्र चुरहट अंतर्गत कुबरी बीट में तेंदूपत्ता तोडऩे गई एक महिला पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार हस्तिनापुर निवासी उषा नापित पति मुद्रिका नापित उम्र लगभग 35 वर्ष बुधवार की सुबह करीब 9 बजे जंगल में तेंदूपत्ता तोडऩे गई थीं। इसी दौरान झाडिय़ों में छिपे जंगली सूअर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में महिला के शरीर पर गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ी। साथ में मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और महिला को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली जानवरों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं, जिससे जंगल जाने वाले लोगों में भय बना हुआ है। हस्तिनापुर वन समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने बताया कि घटना की सूचना वन विभाग को दे दी गई है, लेकिन दोपहर तक कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा था। उन्होंने वन विभाग से पीड़ित महिला को उचित सहायता एवं मुआवजा देने की मांग की है। वही महिला का इलाज जारी है।

घुघुआ तालाब में हुआ अतिक्रमण, जिम्मेदार बेखबर

- नगर परिषद चुरहट क्षेत्र अंतर्गत स्थित है तालाब

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शासन द्वारा एक तरफ जलाशयों एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के लिए गर्मी के दिनों में अभियान चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर सरकारी तालाब में ही अतिक्रमण कर इसकी उपयोगिता को भी खत्म कर दिया गया है। ऐसा ही मामला जिले के नगर परिषद चुरहट क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 13 भटहा स्थित घुघुआ तालाब का सामने आया है। यहां के तालाब में अतिक्रमण कर खेती का कार्य करने से इसकी उपयोगिता समाप्त हो गई है। अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा खेती के लिए ट्यूबवेल का खनन भी करा लिया गया है। बताया गया है कि अतिक्रमणकर्ता द्वारा नगर परिषद वार्ड नंबर 13 ग्राम भटहा में स्थित घुघुआ तालाब में खसरा नंबर 7 करीब 40 डिसमिल में अतिक्रमण कर बाउण्ड्री तान दी गई व तालाब के अन्दर अतिक्रमणकर्ता द्वारा बोर कराए हुए है जिससे खेती का कार्य किया जा रहा है। तालाब के अन्दर अतिक्रमण कर्ताओं द्वारा तालाब की खुदाई कर मिट्टी का उपयोग अपने लाभ के लिए किया जा रहा है। तालाब की भूमि पर ज्यादातर लोगों द्वारा अतिक्रमण कर रखा गया है। विगत वर्ष तालाब की जमीन का सीमांकन भी हुआ था, फिर भी तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए नगर परिषद चुरहट द्वारा लाखों रुपए का टेण्डर करा दिया गया है। जब तक तालाब का अतिक्रमण नहीं हटाया जाता तब तक किस तरह का सौंदर्यीकरण होगा यह लोगों की समझ से परे है। यहां के क्षेत्रीय ग्रामीणों ने कलेक्टर सीधी का ध्यानाकर्षण कराते हुए सरकारी तालाब को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की मांग की गई है।

अतिक्रमण हटा नही सौंदर्यीकरण की तैयारी

नगर परिषद चुरहट के वार्ड नंबर 13 में घुघुआ तालाब में लगभग 40 डिसमिल जमीन पर अतिक्रमण किया गया है, जिसकी शिकायत पर गत वर्ष सीमांकन भी कराया गया था लेकिन सीमांकन उपरांत उक्त तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया। बल्कि अब इसी तालाब में सौंदर्यीकरण का कार्य नगर परिषद द्वारा कराने का टेंडर लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने इस ओर जिम्मेवारों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि जब तक तालाब को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जाता है तब तक इस तालाब में सौंदर्यीकरण कराने का कोई औचित्य नहीं है। अब देखना यह है कि समाचार प्रकाशन के बाद स्थानीय प्रशासन की नींद खुलती है या फिर खर्राटे ही भरते रहेंगे।

कलेक्टर की मंशा पर फिर रहा पानी

जिले के नवागत कलेक्टर विकास मिश्रा ने सीधी जिले की तस्वीर को बदलने का जो मुहिम छेड़ा है, उसके बाद से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है, लेकिन कुछ जगह अभी भी लोगों की आंख नही खुल रही है। जबकि कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा निरन्तर सभी क्षेत्रों में विकास के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने तालाबों की सुरक्षा एवं जलस्तर को बढ़ाने के लिए जो मुहिम चलाई है वह चुरहट नगर में प्रभावी रूप से नहीं दिख रही है। नगर वासियों ने समाचार पत्र के माध्यम से कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए घुघुआ तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की आवाज उठाई है।

इनका कहना है। आपके माध्यम से जानकारी मिली है, अगर तालाब भूमि पर अतिक्रमण किया गया है तो दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी एवं तालाब को शीघ्र अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। विकास कुमार आनंद, एसडीएम चुरहट।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये के मालत्या प्रांत में 5.6 तीव्रता का भूकंप, भयभीत लोगों ने खिड़कियों और छतों से छलांग लगाई

अंकारा (तुर्किये)। तुर्किये के पूर्वी प्रांत मालत्या में बुधवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.6 मापी गई। अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं है। अलबत्ता कई स्थानों पर भूकंप से भयभीत लोगों ने घरों की खिड़कियों और छतों से छलांग लगा दी। इनमें से कुछ लोग घायल हो गए। तुर्किये के आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार भूकंप का केंद्र बत्तालगाजी जिला रहा। भूकंप लगभग सात किलोमीटर (चार मील) की गहराई पर आया। प्राधिकरण के अनुसार भूकंप के झटके आसपास के प्रांतों आदियामन, एलाजिग, तुनसेली और सानलिउर्फा में भी महसूस किए गए। आपातकालीन टीमें प्रभावित इलाकों में भेजी गई हैं। मालत्या और आसपास के प्रांतों से मिले वीडियो फुटेज में लोग इमारतों से बाहर भागते और खाली जगहों और पार्कों में इकट्ठा होते दिखे हैं। मालत्या के गवर्नर सेद्दार यावुज ने सरकारी प्रसारक 'ए हैबर' को बताया कि भूकंप के बाद आपातकालीन सेवाओं को 22 कॉल मिलीं और छह लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें दो लोग ऐसे हैं जिन्होंने घबराहट में अपने घरों की ऊपरी मंजिलों से छलांग लगा दी। चार अन्य लोगों को मानसिक आघात लगा। इनमें से किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। उन्होंने बताया कि मालत्या के याजिहान जिले में एक पशुशाला आंशिक रूप से ढह गई। दोआन सेहिर जिले में एक खाली इमारत को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि प्रांत में एक दिन के लिए स्कूल बंद कर दिए गए हैं। यावुज ने कहा कि 2023 के भूकंप के बाद पुनर्निर्माण के प्रयासों से मालत्या अब भूकंपरोधी शहर बन गया है। उन्होंने कहा, "हमने भूकंपरोधी 124,000 आवासीय इकाइयां बनाई हैं। यही एक कारण है कि आज कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।" उल्लेखनीय है कि 06 फरवरी, 2023 को भूकंप से मालत्या में बड़ी तबाही हुई थी।

नेपाली संसद में विपक्षी दल का प्लेकार्ड सहित विरोध जारी

काठमांडू। नेपाली संसद के अध्यक्ष डी पी अर्याल की चेतावनी के बावजूद सदन के भीतर विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा प्लेकार्ड लेकर विरोध करने का क्रम आज भी जारी रहा। श्रम संस्कृति पार्टी के अध्यक्ष और सांसद हर्क सांपांग ने बालेन्द्र शाह सरकार पर संसद के प्रति जवाबदेह न रहने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि प्रतिनिधि सभा के भीतर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। बुधवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक में बोलते हुए सांपांग ने आगामी आर्थिक वर्ष की सरकार की नीति तथा कार्यक्रम पर हो रही चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री और मंत्रियों की लगातार अनुपस्थिति पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और सरकार को सदन के प्रति जवाबदेह रहना ही होगा। सांपांग ने बताया कि श्रम संस्कृति पार्टी लगातार सात दिनों से संसद के भीतर प्लेकार्ड और पर्चे दिखाकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार संसद के प्रति जिम्मेदारी और जवाबदेही नहीं दिखाती, तब तक विरोध अभियान जारी रहेगा। सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार के मामले में संसदीय नियमों का सही ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है। सांपांग के अनुसार, चूंकि प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं संसदीय व्यवस्था से ही आते हैं, इसलिए उन्हें संसद के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। उन्होंने आगे अध्यक्ष अर्याल से प्रधानमंत्री और मंत्रियों की सदन में उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करने की मांग की। इससे पहले अध्यक्ष अर्याल लगातार विरोध प्रदर्शनों के कारण संसदीय कार्यवाही बाधित होने पर सांसदों को कार्रवाई की चेतावनी दे चुके हैं।

ट्विशा ने तेलुगु-शॉर्ट फिल्में की, मल्टीनेशनल एड भी शूट किए

भोपाल। भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में हर दिन नए खुलासे सामने आ रहे हैं। जिस ट्विशा को अब तक लोग केवल रिटायर्ड जज की बहू और एक एडवोकेट की पत्नी के रूप में जानते थे, उसकी जिंदगी का दूसरा चेहरा अब सामने आया है। ग्लैमर और मॉडलिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी ट्विशा कभी मल्टीनेशनल ब्रांड्स का चेहरा रही थी। तेलुगु फिल्मों में अभिनय, मिस पुणे का खिताब और मॉडलिंग की चमक-दमक के बीच उसने अपनी अलग पहचान बनाई थी, लेकिन उसकी जिंदगी का अंत बेहद दर्दनाक हालात में हुआ। राजधानी के बागमुगलिया एक्सटेंशन में हुई ट्विशा शर्मा की आत्महत्या के मामले में 8 दिन बाद भी परिजनों ने अंतिम संस्कार के लिए शव लेने से इनकार कर दिया है। इधर, पूर्व जज गिरीबाला सिंह द्वारा ट्विशा को ड्रग एडिक्ट बताए जाने पर मायके पक्ष ने इसे मृतक का चरित्र हनन करार दिया है। दूसरी तरफ, पुलिस ने शव लेने को लेकर परिवार को पत्र जारी किया है। पुलिस ने आशंका जताई है कि एम्स भोपाल में रखे शव के खराब होने की संभावना है, इसलिए परिवार को जल्द से जल्द शव ले जाने के लिए कहा गया है। पुलिस ने कोर्ट को ये भी बताया है कि वे दूसरे पोस्टमॉर्टम के लिए तैयार हैं। इस प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं है।

मोहाली में दिनदहाड़े बच्ची की किडनैपिंग

मोहाली। मोहाली में साढ़े 4 साल की बच्ची को उसके दादा-दादी के सामने से दिनदहाड़े अगवा कर लिया गया। कार में आए लोग जबरन बच्ची को उठाकर ले गए। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बच्ची स्कूटी पर अपने दादा-दादी के साथ थी। इसी दौरान दो युवक बाइक पर आए और बच्ची को छीनने की कोशिश की, लेकिन स्कूटी गिर गई। इसी बीच एक कार आई और उसमें से निकले युवक बच्ची को उठाकर ले गए। इस दौरान काफी हंगामा हुआ। दादा-दादी बच्ची को छुड़ाने के लिए कार के आगे लटक गए, लेकिन ड्राइवर कार को आगे बढ़ाते हुए ले गया। बच्ची के पिता ने कहा कि मां की जांघ और पिता की बाजू में फ्रैक्चर आया है। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। SP मनप्रीत सिंह ने कहा कि बच्ची का अपहरण उसकी मां और मामा ने ही किया था। पुलिस ने 6 घंटे के भीतर बच्ची को उसकी मां के पास से बरामद कर लिया है। शुरुआती जांच में सामने आया कि माता-पिता के बीच विवाद चल रहा है। मां ने कॉल कर बताया बेटी को अगवा कर लिया: बच्ची के पिता रविंदर सिंह ने बताया कि वह सिंहपुरा गांव के रहने वाले हैं। वह सरकार स्कूल में टीचर की नौकरी करते हैं। कल (19 मई) सुबह पौने 10 बजे के करीब उन्हें घर से मां का फोन आया कि उनकी बच्ची को कुछ अज्ञात लोग अगवा (किडनैप) करके ले गए हैं। तब तक यह पता नहीं चला कि किडनैप करने वाले कौन थे।

उज्जैन के कालभैरव मंदिर में अब वीआईपी दर्शन व्यवस्था

उज्जैन। उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाद अब श्री काल भैरव मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बुधवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपए का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे। टिकट मंदिर परिसर के बाहर बने काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। विश्व प्रसिद्ध श्री कालभैरव मंदिर, जहां भगवान काल भैरव को मदिरा का भोग लगाया जाता है, वहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती श्रद्धालु संख्या और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को देखते हुए मंदिर में 125.17 करोड़ रुपए की लागत से कॉरिडोर और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, फिलहाल यह व्यवस्था ऑफलाइन शुरू की गई है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन भी किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को विशेष मार्ग से सीधे गर्भगृह तक पहुंचकर दर्शन की सुविधा मिलेगी। काल भैरव मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वीआईपी प्रोटोकॉल की सशुल्क दर्शन व्यवस्था के साथ सामान्य श्रद्धालु अगर शीघ्र दर्शन करना चाहता हैं तो उन्हें मंदिर के बाहर लगे टिकट काउंटर से 500 रुपए का टिकट लेना होगा। इसके बाद श्रद्धालुओं को मंदिर के निर्गम द्वार से लगे हुए मार्ग से प्रवेश मिलेगा, यहां से श्रद्धालु सीधे मंदिर के गर्भगृह द्वार के गेट से एंट्री लेकर सीधे गर्भगृह में दर्शन कर सकेंगे। काल भैरव मंदिर में प्रशासक एलएन गर्ग ने बताया कि अभी शुरुआत में ऑफलाइन टिकट वयवस्था की है। इसे जल्द ही ऑनलाइन कर दिया जाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालु शीघ्र दर्शन के नाम पर कई बार ठगी का शिकार होते थे। अब श्रद्धालु मंदिर के टिकट काउंटर से टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे।

अमित शाह का बस्तर विकास विजन: 70 'वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा' बनेंगे

एजेंसी, रायपुर

- लक्ष्य– देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक के बाद क्षेत्र के विकास को लेकर बड़ा रोडमैप सामने आया है। बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में शाह ने कहा कि बस्तर में अब भय का माहौल समाप्त हो चुका है और पूरे क्षेत्र में उत्साह तथा विश्वास का वातावरण दिखाई दे रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे। गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर के पिछले दशकों के इतिहास को देखने पर स्पष्ट होता है कि क्षेत्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद रहा है। उन्होंने कहा कि देश के कई ऐसे क्षेत्र भी रहे, जो कभी बस्तर से अधिक पिछड़े थे, लेकिन वहां नक्सलवाद नहीं होने के कारण वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ते चले गए, जबकि बस्तर अपेक्षाकृत पीछे रह गया। अमित शाह ने कहा कि 19 मई 2026 को बस्तर के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब समग्र विकास की नई परिकल्पना शुरू की जा रही है और लक्ष्य बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी संभाग बनाना है। उन्होंने बताया कि नक्सल मुक्त होने के बाद बस्तर में स्थापित 200 सुरक्षा कैंपों में से 70 कैंपों को वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जाएगा। इन सेवा केंद्रों के माध्यम से सरकारी सुविधाएं गांवों तक पहुंचाई जाएंगी। यहां बैंकिंग सेवाएं, आधार कार्ड सुविधा, डिजिटल सेवाएं, कौशल प्रशिक्षण, सस्ता राशन, प्राथमिक शिक्षा और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि विकास प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बस्तर की आदिवासी महिलाओं को पशुपालन से जोड़ने की योजना तैयार की गई है, जिसके तहत उन्हें गाय और भैंस उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही अगले छह महीनों में बड़े डेयरी नेटवर्क की स्थापना का लक्ष्य भी रखा गया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद के कारण रोजगार, शिक्षा, बिजली और बुनियादी सुविधाओं के विकास पर असर पड़ा था, लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की ओर से 20,557 करोड़ रुपये की लागत से 12,211 किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा 13 हजार मोबाइल टावर लगाने की योजना बनाई गई थी, जिनमें से 5 हजार टावर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 1,804 बैंक शाखाएं, 1,321 एटीएम और 800 डाकघर शुरू किए जा चुके हैं। इसके अलावा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 259 एकलव्य विद्यालय, 46 आईटीआई और 49 स्किल डेवलपमेंट सेंटर भी स्थापित किए गए हैं।

हिमाचल के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी, बच्चे मुंह ढककर स्कूल पहुंचे

एजेंसी, शिमला

- 5 जिलों में हीटवेव, ऊना का पारा 43.4° डिग्री के पार

हिमाचल प्रदेश के मैदानी इलाकों में आज भीषण गर्मी पड़ रही है। स्कूली बच्चे और कामकाजी लोग सुबह के वक्त मुंह ढककर स्कूल व दफ्तर पहुंचे। ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, मंडी, सोलन और कांगड़ा जिला के निचले इलाकों में लोग गर्मी से बेहाल होने लगे है। मौसम विभाग ने कांगड़ा, ऊना, सोलन, शिमला और किन्नौर जिला के कुछेक भागों में आज हीटवेव का अलर्ट जारी कर रखा है। अगले कल भी ऊना, कांगड़ा, शिमला और सोलन जिला में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मैदानी इलाकों में इससे तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। बीते दिन भी कांगड़ा, सोलन और किन्नौर में हीटवेव जैसी स्थिति महसूस की गई। ऊना प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक दर्ज करते हुए 43.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं हमीरपुर के नेरी में भी पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया।

शिमला का तापमान भी सामान्य से 4.4 डिग्री ज्यादा: तापमान में सबसे अधिक बढ़ोतरी किन्नौर के कल्पा में दर्ज की गई, जहां सामान्य से 4.8 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राजधानी शिमला का तापमान भी सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक रहते हुए 29.4 डिग्री दर्ज किया गया। कांगड़ा में पारा 4.1 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 38.4 डिग्री और धर्मशाला में 3.9 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार 20 मई को अधिक ऊंचे क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। 21 मई को मध्यम व अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश के आसार हैं।

अहमदाबाद में 1.66 करोड़ की ज्वेलरी चुराने वाली सेल्सगर्ल अरेस्ट

एजेंसी, अहमदाबाद

- ब्वॉयफ्रेंड संग रहने के लिए की थी चोरी, होटल से वही गहने लेकर भाग निकला

अहमदाबाद में निकोल इलाके की एक ज्वैलरी शोरूम की सेल्स गर्ल हर्षिदा शेट्टी 10 दिनों बाद पुलिस की गिरफ्त में आ गई। हर्षिदा 11 मई 2026 को शोरूम से 1.66 करोड़ रुपए की ज्वेलरी चुराकर फरार हो गई थी। पुलिस पूछताछ में हर्षिदा ने बताया कि उसने ब्वॉयफ्रेंड मयूर माली के साथ मिलकर चोरी का ये प्लान बनाया था। वारदात के बाद दोनों अहमदाबाद से दिल्ली और वहां से उत्तर भारत के कई राज्यों में छिपकर रहे। ब्वॉयफ्रेंड ही गहने लेकर भाग निकला हर्षिदा ने बताया कि वे एक होटल में ठहरे हुए थे। तीन दिन पहले जब वह नहाने गई तो मयूर उसके चोरी किए गहने लेकर फरार हो गया। उसके पास कुछ ही गहने रह गए थे, जो उससे पहन रखे थे। पैसे खत्म होने के बाद हर्षिदा वापस अहमदाबाद आ गई। मंगलवार की शाम वह गहने बेचने की फिराक में थी।तभी पुलिस को खुफिया सूत्रों से उसकी खबर मिल गई और उसे अरेस्ट कर लिया गया। अब उसके ब्वॉयफ्रेंड की तलाश की जा रही है। शोरूम मालिक लंच करने घर गए थे निकोल पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दर्शनभाई शाह अपने परिवार के साथ शहर के कृष्णानगर इलाके की नयननगर सोसाइटी में रहते हैं। वे निकोल इलाके में अनमोल सर्कल के पास ग्रेविटी शॉपिंग मॉल में आभूषण नाम से सोने-चांदी का शोरूम चलाते हैं।

भारत टेक्स मोबाइल ऐप लॉन्च, एआई असिस्टेंट और डिजिटल सुविधाएं मिलेंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 'भारत टेक्स' प्रदर्शनी में प्रतिभागियों को डिजिटल सुविधाओं के साथ सहज अनुभव देने के लिए भारत टेक्स 2026 मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप प्रदर्शनी की जानकारी, बैठकें तय करने, डिजिटल पहचान-पत्र, संपर्क विवरण संग्रह और एआई-सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शमी राव ने इस ऐप को बुधवार को यहां लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि ऐप प्रतिभागियों को प्रदर्शकों की खोज, बैठकें तय करने, स्थल पर दिशा-निर्देश प्राप्त करने, ज्ञान सत्रों तक पहुंचने और वास्तविक समय में अपडेट हासिल करने की सुविधा देगा।

मंत्रालय ने बताया कि ऐप की प्रमुख विशेषता एआई स्मार्ट असिस्टेंट है, जो प्रतिभागियों को 24x7 संवादात्मक मार्गदर्शन देगा। उपयोगकर्ता सरल भाषा में प्रश्न पूछकर कार्यक्रम, स्थल, समय सारणी और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा नेटवर्किंग और बैठक मॉड्यूल के जरिए प्रदर्शक और खरीदार आपस में जुड़ सकेंगे तथा क्यूआर-आधारित संपर्क विवरण संग्रह सुविधा से डिजिटल पहचान-पत्र स्कैन कर जानकारी सुरक्षित कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि यहां भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित होने वाले भारत टेक्स 2026 में 7,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 1,30,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुक शामिल होंगे। आयोजन में भारत की संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें फाइबर, यार्न, कपड़ा, परिधान, गृह वस्त्र, तकनीकी वस्त्र, हस्तकरघा, हस्तशिल्प, सतत वस्त्र और स्मार्ट विनिर्माण तकनीकें शामिल होंगी।

भारत टेक्स 2026 का आयोजन भारत टेक्स व्यापार संगठन द्वारा किया जाएगा, जिसमें 11 वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषदें और उद्योग संगठन शामिल हैं। यह आयोजन प्रधानमंत्री के 5 एफ विजन फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन से प्रेरित है और भारत को एक विश्वसनीय, सतत और नवाचार-आधारित वैश्विक वस्त्र गंतव्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

मप्र के शहडोल पहुंचे संघ प्रमुख भागवत प्रशिक्षण शिविर में होंगे शामिल

एजेंसी, शहडोल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तीन दिवसीय दौरे पर बुधवार को मध्य प्रदेश के शहडोल पहुंचे। डॉ. भागवत यहां पांडव नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में चल रहे संघ शिक्षा कार्यकर्ता विकास वर्ग में स्वयंसेवकों से संवाद करेंगे। उनकी सुरक्षा की दृष्टि से चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक डॉ. भागवत आज सुबह ट्रेन से कटनी रेलवे स्टेशन आए और यहां से सड़क मार्ग से शहडोल पहुंचे। वे सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में चल रहे संघ शिक्षा कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय वर्ष में 22 मई तक शिरकत करेंगे। वह प्रतिदिन सुबह और शाम एक-एक सत्र लेंगे। शहडोल में 7 जून तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से लगभग 383 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए हैं। यहां किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

डॉ. भागवत का शहडोल जिले में यह पहला दौरा है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा उनकी सुरक्षा में लगभग 350 अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिनमें डीएसपी रैंक के अधिकारी, सीआईएसएफ की विशेष टुकड़ी और विभिन्न अलग-अलग जिलों से बुलाए गए पुलिस बल भी शामिल हैं।

शहडोल के जिला अधिकारी डॉ. केदार सिंह ने बताया कि 20 से 22 मई तक सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के सम्पूर्ण क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय नागरिक संहिता के प्रावधानों के अधीन दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शहडोल के पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पांडव नगर क्षेत्र को विशेष सुरक्षा घेरे में रखा गया है। पूरे इलाके में ड्रोन उड़ाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

पश्चिम बंगाल में दवा दुकानों की हड़ताल का आंशिक असर

अस्पतालों की मेडिकल सेवाएं रहीं सामान्य

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में बुधवार को आयोजित देशव्यापी दवा विक्रेता बंद का असर सीमित रूप में देखने को मिला। बंद का समर्थन मुख्य रूप से बंगाल केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन से जुड़े दवा कारोबारियों ने किया, जबकि कई सरकारी और अस्पताल आधारित मेडिकल स्टोर सामान्य रूप से खुले रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार, राज्य में संगठन से जुड़ी करीब 32 से 35 हजार इकाइयों में अधिकांश खुदरा दवा दुकानें शामिल हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने दावा किया कि बड़ी संख्या में सदस्य दुकानदारों ने बंद में हिस्सा लिया। इसके बावजूद, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र, अमृत फार्मेसी दुकानें और अस्पतालों के भीतर संचालित मेडिकल स्टोर खुले रहने से आम मरीजों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। निजी नर्सिंग होम और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में दवा आपूर्ति भी सामान्य बनी रही। यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर किया गया था। संगठन का आरोप है कि ई-फार्मेसी कंपनियां भारी छूट और आक्रामक मूल्य नीति अपनाकर पारंपरिक दवा कारोबार को प्रभावित कर रही हैं। दवा विक्रेताओं ने ऑनलाइन दवा बिक्री की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पर्याप्त सत्यापन प्रणाली के अभाव में फर्जी पर्चियों के जरिए नशीली और नियंत्रित दवाओं के दुरुपयोग की आशंका बढ़ रही है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पर सवाल उठाने वालों को सरकार बता रही चीन समर्थक: जयराम रमेश

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आज आरोप लगाया कि वह ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं को उठाने वालों को चीन समर्थक बताकर मुद्दे को भटकाने का प्रयास कर रही है। पार्टी में संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सरकार का रवैया विरोधियों को बदनाम करने जैसा है। वर्ष 2020 में लद्दाख में हुई घटनाओं के बाद सरकार के रुख को लेकर कई चिंताएं सामने आई थीं। भारत और चीन के बीच बातचीत के दौरान कुछ क्षेत्रों में पारंपरिक गश्त और अधिकारों से जुड़े प्रावधानों में बदलाव हुए हैं। उन्होंने व्यापार घाटे और रणनीतिक पहलुओं का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि भारत को चीन की आर्थिक और रणनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा, लेकिन ग्रेट निकोबार परियोजना मुख्य रूप से एक व्यावसायिक परियोजना है। इसमें प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट पोर्ट का सैन्य ढांचे से कोई संबंध नहीं है। जयराम रमेश ने दावा किया कि अंडमान-निकोबार कमांड के कुछ क्षेत्रों में सैन्य ढांचे के विस्तार से जुड़े सुझावों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना के पीछे बड़े कॉरपोरेट हित जुड़े हो सकते हैं, जिससे पर्यावरण और स्थानीय आबादी पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है। यह परियोजना पारिस्थितिकी और मानवीय दृष्टि से बड़े जोखिम पैदा कर सकती है।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे

एजेंसी, नई दिल्ली

- एमपी, चंडीगढ़, बिहार में लोग परेशान दिखे

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के IGIMS के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के PGI में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, 'दवाएं नहीं मिल रही हैं।'

हालांकि, AIOCD ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें: बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम GSR 220(E) और GSR 817(E) हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं। लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20% से 50% तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते।

जातिगत जनगणना पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर चुनौती याचिका 20 मई 2026 को खारिज- संवैधानिक वैधता, सामाजिक न्याय और भारत की नई नीति- व्यवस्था की दिशा क़ा व्यापक समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» भारत की जनगणना 2027 डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है

» सुप्रीम कोर्ट का 20 मई 2026 क़ा यह फैसला केवल एक याचिका खारिज करने तक सीमित नहीं है।बल्कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय की अवधारणा और डेटा-आधारित शासन प्रणाली के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णय -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ PIL को किया खारिज, कहा- यह सरकार का नीतिगत फैसला

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर भारत में वर्षों से चल रही जातिगत जनगणना की बहस को बुधवार 20 मई 2026 को एक निर्णायक मोड़ तब मिला, जब भारतीय सुप्रीमकोर्ट ने जातिगत जनगणना के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इस फैसले ने केवल एक कानूनी विवाद का अंत नहीं किया,बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दे दिया कि भारत में होने वाली जनगणना 2027 पूरी तरह संवैधानिक,कानूनी और नीतिगत अधिकारों केदायरे में संचालित की जा रही है। बता दें इसके पूर्व भी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (11 अप्रैल, 2026) को केंद्र को जाति जनगणना रोकने का निर्देश देने वाली याचिका को खारिज कर दियाथा और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता की कड़ी आलोचना की। पिछले कुछ महीनों से जातिगत जनगणना को लेकर राजनीतिक, सामाजिक और वैचारिक स्तर पर तीखी बहस चल रही थी। कुछ वर्ग इसे सामाजिक न्याय का आधार बता रहे थे, जबकि विरोधी पक्ष इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला कदम कह रहा था। किंतु सर्वोच्च अदालत के ताजा निर्णय ने यह स्थापित कर दिया कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह अधिकार है कि वह देश की सामाजिक संरचना, विशेषकर पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और स्थिति को समझने के लिए डेटा एकत्र करे, ताकि उसके आधार पर कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की जनगणना 2027 केवल एक पारंपरिक जनगणना नहीं मानी जा रही,बल्कि इसे डिजिटल इंडिया और डेटा-आधारित गवर्नेंस के सबसे बड़े प्रशासनिक अभियानों में से एक माना जा रहा है। लगभग डेढ़ सौ वर्षों से चली आ रही जनगणना व्यवस्था अब तकनीकी रूप से आधुनिक स्वरूप में प्रवेश कर चुकी है। साथियों इस बार की जनगणना दो बड़े चरणों में आयोजित की जा रही है।पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुआ,जिसमें हाउस लिस्टिंग और आवासीय गणना की प्रक्रिया अपनाई गई। 16 अप्रैल से 15 मई 2026 तक चले इस चरण में देशभर के घरों,संपत्तियों,भवनों, आवासीय सुविधाओं, जल स्रोतों, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, रसोई, वाहन और सामाजिक- आर्थिक आधारभूत संरचनाओं से संबंधित डेटा संकलित किया गया।यह चरण केवल जनसंख्या गिनने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह देश की जीवन- स्थितियों का व्यापक सामाजिक -आर्थिक सर्वेक्षण भी बन गया।जनगणना का दूसरा चरण वर्ष 2027 में प्रारंभ होगा, जिसमें प्रत्येक परिवार और उसके सदस्यों की विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें आयु, शिक्षा, रोजगार, भाषा, वैवाहिक स्थिति, प्रवासन, सामाजिक श्रेणी और विशेष रूप से जातिगत विवरण शामिल होंगे। पहली बार इतनी व्यापक डिजिटल प्रणाली अपनाई जा रही है जिसमें मोबाइल ऐप, टैबलेट आधारित डेटा एंट्री, ऑनलाइन सत्यापन और केंद्रीकृत डेटा मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।सरकार का उद्देश्य केवल आंकड़े जुटाना नहीं, बल्कि डेटा आधारित नीति निर्माण को मजबूत करना है। यही कारण है कि जातिगत आंकड़ों को अब सामाजिक न्याय और संसाधन वितरण के दृष्टिकोण से सटीक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथियों, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कहा कि जातिगत जनगणना करना या न करना सरकार का नीतिगत अधिकार है।अदालत ने कहाकि जब तक कोई नीति संविधान या कानून का उल्लंघन नहीं करती, तब तक न्यायपालिका उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत की यह टिप्पणी भारतीय लोकतंत्र में शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को भी मजबूती देती है, जहां नीति निर्माण कार्यपालिका का क्षेत्र माना जाता है और न्यायपालिका केवल वैधानिकता की समीक्षा करती है। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग और सामाजिक रूप से वंचित समूहों की वास्तविक संख्या कितनी है,ताकिउनके लिए उपयुक्त कल्याणकारी योजनाएं बनाई जा सकें।अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जाति आधारित गणना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है।यदि सरकार सामाजिक और आर्थिक नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आंकड़े जुटाना चाहती है, तो यह उसका वैध प्रशासनिक अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि किसी नीति के संभावित दुरुपयोग की आशंका मात्र से उसे रोका नहीं जा सकता। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि याचिकाकर्ता का मुख्य तर्क यही था कि जातिगत आंकड़ों का राजनीतिक और सामाजिक दुरुपयोग हो सकता है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि सरकार के पास पहले से ही पर्याप्त सामाजिक डेटा उपलब्ध है, इसलिए अलग से जातिगत गणना की आवश्यकता नहीं है। किंतु अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया और कहा कि सरकार को समकालीन और प्रमाणिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि पुराने डेटा के आधार पर प्रभावी नीति निर्माण सटीक रूप से संभव नहीं है। साथियों, यह फैसला सामाजिक न्याय की राजनीति और प्रशासनिक नीति दोनों के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है। भारत में लंबे समय से यह बहस चलती रही है कि आरक्षण, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक प्रतिनिधित्व का वास्तविक आधार क्या होना चाहिए। अनेक विशेषज्ञों का मानना रहा है कि बिना अद्यतन जातिगत आंकड़ों के सामाजिक न्याय की नीतियां अधूरी रहती हैं। स्वतंत्र भारत में 1931 के बाद व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं रहे, जिसके कारण पिछड़े वर्गों की वास्तविक संख्या और उनकी सामाजिक- आर्थिक स्थिति को लेकर लगातार विवाद बना रहा। ऐसे में जनगणना 2027 को एक ऐतिहासिक अवसर के रूप में देखा जा रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना का वास्तविक चित्र सामने ला सकती है। साथियों, राजनीतिक दृष्टि से भी यह मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। कई राज्यों में जातिगत सर्वेक्षण और सामाजिक गणना पहले ही राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन चुके हैं। बिहार, कर्नाटक और अन्य राज्यों में किए गए जातीय सर्वेक्षणों ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को और तेज किया। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की दिशा में आगे बढ़ना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि भविष्य की नीतियां अधिक डेटा-आधारित और लक्ष्य केंद्रित होंगी। इससे यह भी संभावना बढ़ेगी कि सामाजिक योजनाओं में संसाधनों का वितरण वास्तविक जनसंख्या अनुपात और जरूरतों के आधार पर किया जा सके। साथियों, सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 11 अप्रैल 2026 को भी ऐसी ही एक याचिका को खारिज किया था, जिसमें केंद्र सरकार को जातिगत जनगणना रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। उस समय अदालत ने याचिका में प्रयुक्त भाषा पर भी कड़ी टिप्पणी की थी। अदालत का यह लगातार रुख स्पष्ट करता है कि वह जनगणना जैसे प्रशासनिक और नीतिगत विषयों में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप से बचना चाहती है। इससे यह संदेश भी गया है कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में नीति निर्माण की प्राथमिक जिम्मेदारी निर्वाचित सरकारों की होती है।जातिगत जनगणना के समर्थकों का तर्क है कि भारत जैसे बहुस्तरीय सामाजिक ढांचे वाले देश में समान अवसर और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए वास्तविक आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। यदि सरकार को यह ज्ञात ही नहीं होगा कि किस समुदाय की आबादी कितनी है, उनकी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति कैसी है, तो योजनाओं का सही लक्ष्य निर्धारण संभव नहीं होगा। यही कारण है कि अदालत ने भी सरकार की इस आवश्यकता को स्वीकार किया कि पिछड़े वर्गों की संख्या और स्थिति जानना शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक है।दूसरी ओर, विरोधियों की आशंका यह रही है कि जातिगत पहचान को फिर से केंद्र में लाने से सामाजिक ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। उनका मानना है कि आधुनिक भारत को जाति से ऊपर उठकर आर्थिक और मानव विकास के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। हालांकि सरकार और अदालत दोनों ने यह स्पष्ट किया कि आंकड़े जुटाना और उनका दुरुपयोग करना दो अलग बातें हैं। यदि किसी नीति का उद्देश्य सामाजिक कल्याण और प्रशासनिक सुधार है, तो केवल संभावित राजनीतिक उपयोग के आधार पर उसे असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। साथियों, जनगणना 2027 की डिजिटल प्रकृति भी इसे ऐतिहासिक बना रही है। पहली बार इतनी व्यापक स्तर पर तकनीकी साधनों का उपयोग किया जा रहा है। डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए मोबाइल एप्लीकेशन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग और डिजिटल सत्यापन की व्यवस्था की गई है। इससे फर्जी या दोहराव वाले आंकड़ों को कम करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह भारत की प्रशासनिक क्षमता और डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की बड़ी परीक्षा भी होगी। साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की यह पहल ध्यान आकर्षित कर रही है। दुनिया के कई देशों में जनसांख्यिकीय आंकड़ों के आधार पर सामाजिक नीतियां बनाई जाती हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और ब्राजील जैसे देशों में नस्ल, जातीयता और सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़े आंकड़े नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में जातिगत जनगणना को उसी व्यापक वैश्विक संदर्भ में देखा जा रहा है, जहां डेटा आधारित सामाजिक नीति को लोकतांत्रिक शासन का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केवल एक याचिका खारिज करने तक सीमित नहीं है। यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय की अवधारणा और डेटा-आधारित शासन प्रणाली के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णय माना जाएगा। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि जनगणना 2027 अब कानूनी और संवैधानिक रूप से मजबूत आधार पर आगे बढ़ेगी। सरकार को न केवल प्रशासनिक समर्थन मिला है, बल्कि न्यायपालिका की ओर से भी यह संकेत मिला है कि सामाजिक कल्याण के लिए आवश्यक आंकड़े जुटाना लोकतांत्रिक शासन का वैध हिस्सा है। आने वाले वर्षों में यह जनगणना भारत की सामाजिक संरचना, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नीतियों को गहराई से प्रभावित कर सकती है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

2027 की सियासी दस्तकः बरेली कैंट में उभरता महिला नेतृत्व, क्या समाजवादी पार्टी का नया चेहरा बनेंगी सम्युन खान?

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा)<उत्तर प्रदेश की राजनीति में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों की आहट अब धीरे-धीरे ज़मीनी स्तर पर सुनाई देने लगी है। राजनीतिक दल अपने-अपने संभावित चेहरों को तैयार करने में जुट गए हैं, वहीं बरेली की 125 कैंट विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी की ओर से एक ऐसा नाम लगातार चर्चा में है, जिसने सामाजिक सेवा और जनसरोकारों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है — सम्युन खान। सम्युन खान केवल एक राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि समाज के बीच सक्रिय रहकर काम करने वाली ऐसी महिला नेतृत्वकर्ता के रूप में देखी जा रही हैं, जिन्होंने वर्षों से लोगों के मुद्दों को सड़कों से लेकर प्रशासनिक दफ्तरों तक मजबूती से उठाया है। बरेली शहर की राजनीति में उनका नाम अब किसी परिचय का मोहताज नहीं रह गया है।

सामाजिक सेवा से राजनीति तक का सफर-सम्युन खान की पहचान सबसे पहले एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में बनी। उन्होंने "एक आस फाउंडेशन" की स्थापना कर समाज के कमजोर, जरूरतमंद और हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज बनने का प्रयास किया। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, नागरिक अधिकार, स्वास्थ्य और सांप्रदायिक सौहार्द जैसे मुद्दों पर उनका संगठन लगातार काम करता रहा है। बरेली में कई मौकों पर उन्होंने स्थानीय समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। खुले नालों, जलभराव, खराब सड़कों और सफाई व्यवस्था जैसे जनहित के मुद्दों पर धरना-प्रदर्शन से लेकर अधिकारियों को ज्ञापन देने तक, उनकी सक्रियता लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। दिवाली, ईद और अन्य त्योहारों पर गरीब परिवारों के बीच मिठाई और जरूरत का सामान बांटना हो या सामाजिक सद्भाव का संदेश देना — सम्युन खान ने हमेशा "राजनीति से पहले इंसानियत" की सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

समाजवादी पार्टी में मजबूत होती पकड़-समाजवादी पार्टी की शहरी इकाई में उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय सम्युन खान ने संगठनात्मक स्तर पर भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। पार्टी कार्यक्रमों, जनसभाओं और सामाजिक अभियानों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समाजवादी पार्टी बरेली कैंट विधानसभा में एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो मुस्लिम, महिला और युवा मतदाताओं के बीच प्रभाव रखता हो। ऐसे में सम्युन खान का नाम स्वाभाविक रूप से सामने आता दिखाई दे रहा है। कई राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यदि समाजवादी पार्टी 2027 में महिला नेतृत्व और सामाजिक सक्रियता को प्राथमिकता देती है, तो सम्युन खान पार्टी की मजबूत दावेदार बन सकती हैं।

महिला नेतृत्व की नई तस्वीर-उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय तक पुरुष नेताओं का दबदबा रहा है, लेकिन अब तस्वीर बदलती नजर आ रही है। महिलाएं केवल चुनावी मंचों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी आंदोलनों और संगठन निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। सम्युन खान को लेकर खास बात यह मानी जाती है कि उन्होंने राजनीति को केवल भाषणों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान के लिए संघर्ष करने की कोशिश की।

महिला आरक्षण बिल को लेकर जागरूकता अभियान चलाना, युवतियों को शिक्षा और अधिकारों के प्रति प्रेरित करना, तथा सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर रहना — इन सभी पहलुओं ने उन्हें एक जुझारू महिला नेता की पहचान दी है।

कैंट विधानसभा में बदलता राजनीतिक समीकरण-बरेली कैंट विधानसभा सीट हमेशा से राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। यहां शहरी मतदाता, युवा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय चुनावी समीकरण में बड़ी भूमिका निभाते हैं। ऐसे में सम्युन खान की सक्रियता को समाजवादी पार्टी भविष्य की रणनीति के रूप में भी देख रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भी उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। हालांकि चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो चुकी है कि 2027 में समाजवादी पार्टी बरेली कैंट से किसी नए और जुझारू चेहरे पर दांव खेल सकती है — और उस सूची में सम्युन खान का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है।

क्या सिर्फ बैठकें काफी हैं?

सैयद इसरार हुसैन

» अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भरोसे पर उठते गंभीर सवाल

19 मई को National Commission for Minorities द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री Kiren Rijiju सहित कई राज्यों के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री शामिल हुए। बैठक में अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों, सरकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों पर चर्चा की गई। सरकार ने इसे संवाद और समन्वय की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया। हालांकि, इस बैठक के बीच एक बड़ा और गंभीर प्रश्न फिर सामने खड़ा होता है—क्या केवल बैठकें, घोषणाएं और बयान अल्पसंख्यकों की वास्तविक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं? देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार मॉब लिंचिंग, सांप्रदायिक हिंसा, धार्मिक भेदभाव और नफरत फैलाने वाली घटनाओं की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे माहौल में अल्पसंख्यक समुदाय के भीतर असुरक्षा और अविश्वास की भावना बढ़ना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि जब हिंसा और भय का माहौल लगातार बना हुआ है, तब अल्पसंख्यक मंत्रालय और आयोग की वास्तविक प्रभावशीलता आखिर कितनी है?

बढ़ती घटनाएं और कमजोर होता भरोसा-पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को निशाना बनाया गया। सोशल मीडिया के माध्यम से नफरत फैलाने, भीड़ हिंसा और सांप्रदायिक तनाव ने देश की सामाजिक एकता और भाईचारे को प्रभावित किया है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल योजनाएं घोषित कर देना पर्याप्त नहीं होता। जब किसी समुदाय को अपनी सुरक्षा और सम्मान पर खतरा महसूस होने लगे, तब सरकार और संस्थाओं की जिम्मेदारी केवल बयान देने तक सीमित नहीं रह सकती। लोगों को जमीन पर ठोस कार्रवाई और न्याय का भरोसा दिखना चाहिए। Ministry of Minority Affairs का उद्देश्य केवल छात्रवृत्ति या कल्याणकारी योजनाएं संचालित करना नहीं होना चाहिए, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त समान अधिकारों और सुरक्षा को सुनिश्चित करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

आयोग और मंत्रालय की सीमित शक्तियां-National Commission for Minorities और अल्पसंख्यक मंत्रालय के पास सुझाव देने, रिपोर्ट तैयार करने और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की भूमिका तो है, लेकिन अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि इनके पास प्रभावी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की पर्याप्त शक्तियां नहीं हैं। किसी घटना के बाद आयोग नोटिस जारी करता है, रिपोर्ट तलब की जाती है, लेकिन पीड़ितों को न्याय कितनी तेजी से मिलता है और दोषियों पर कितनी कठोर कार्रवाई होती है—यही सबसे बड़ा सवाल बना रहता है। यदि लगातार घटनाएं होती रहें और संस्थागत हस्तक्षेप के बावजूद स्थिति में सुधार दिखाई न दे, तो इन संस्थाओं की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत-भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अन्य सभी समुदायों ने देश की संस्कृति, लोकतंत्र और विकास को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे में किसी भी समुदाय के खिलाफ हिंसा केवल उस समुदाय पर हमला नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक मूल भावना पर भी आघात है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दे अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित होकर रह जाते हैं। सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाता है, जबकि विपक्ष सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है। लेकिन इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा—पीड़ितों की सुरक्षा, न्याय और भरोसे की बहाली—अक्सर पीछे छूट जाता है।

क्या किए जाने की जरूरत है? मॉब लिंचिंग के खिलाफ सख्त और स्पष्ट राष्ट्रीय कानून बनाया जाए। सांप्रदायिक हिंसा के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों की व्यवस्था हो। अल्पसंख्यक आयोग को अधिक संवैधानिक और कानूनी अधिकार दिए जाएं। पुलिस और प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। नफरत फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई हो। शिक्षा, संवाद और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से सौहार्द का वातावरण मजबूत किया जाए।

निष्कर्ष – बैठकें और संवाद लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन केवल बैठकों से विश्वास कायम नहीं होता। जब तक जमीन पर बदलाव दिखाई नहीं देगा और हर नागरिक को समान सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा, तब तक अल्पसंख्यकों के मन में असुरक्षा और अविश्वास की भावना बनी रहेगी। आज आवश्यकता केवल योजनाओं की नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, निष्पक्ष कार्रवाई और भरोसे की पुनर्स्थापना की है। सरकार, आयोग और समाज—सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि भारत में हर नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय से जुड़ा हो, स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और समान अधिकारों से संपन्न महसूस

नीट पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की सरेआम हत्या के समान है; सुधार तभी संभव हैं जब इस मामले के दोषियों को फाँसी दी जाए

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार

देश के शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार युवा पीढ़ी के जीवन पर एक विनाशकारी प्रहार है। पूरे देश में देशद्रोह की अप्रत्याशित घटनाओं में वृद्धि हो रही है। कुछ देशद्रोहियों ने नीट का पेपर लीक करके 25 लाख छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया है;यह एक ऐसा कृत्य है जिसे केवल 'सरेआम हत्या' ही कहा जा सकता है। इसके अलावा, ऐसी खबरें भी हैं कि शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार से हताश होकर चार छात्रों ने आत्महत्या भी कर ली है। फिर भी, यह एक दुखद विडंबना है कि, आज तक शिक्षा क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले कानूनों को पर्याप्त रूप से सख्त नहीं बनाया गया है। नीट परीक्षा के पेपर का लीक होना एक ऐसी महत्वपूर्ण परीक्षा जिसके माध्यम से डॉक्टर बनते हैं, जो एक दैवीय शक्ति का प्रतीक है.लेकीन नीट पेपर लिक ने शैक्षणिक जगत की 'सरेआम हत्या' की है। ऐसा इसलिए है क्योंकि नीट परीक्षा के लिए जिम्मेदार विभाग ने पेपर लीक होने से छात्रों के जीवन के साथ एक घिनौना खेल खेला है। इसी तरह, इस पेपर लीक घोटाले में शामिल दोषियों ने छात्रों के भविष्य के साथ सरेआम खिलवाड़ किया है; इसलिए, इस मामले में दोषी पाए गए सभी व्यक्तियों को "मृत्युदंड" दिया जाना चाहिए। तभी शिक्षा क्षेत्र में कोई सार्थक सुधार संभव हो पाएगा। क्योंकि यह अकल्पनीय है कि ऐसे कुकृत्य चाहे वे व्यापक शिक्षा क्षेत्र के भीतर हों या विशेष रूप से इस पेपर लीक के संबंध में बिना किसी राजनीतिक संरक्षण के अंजाम दिए जा सकते हैं। परिणाम स्वरूप, इस घोटाले के पीछे छिपी "बड़ी मछलियाँ" (मुख्य सरगना) अभी तक बेनकाब नहीं हुई हैं। वर्तमान में सामने आ रहे मामले एक कड़वी सच्चाई उजागर करते हैं: पेपर लीक करने वाले और उसे खरीदने वाले, दोनों ही अत्यंत धनवान व्यक्ति हैं, जो विशाल और जटिल नेटवर्क के माध्यम से अपना काम करते हैं। चूंकि पेपर अपनी रचना के मूल स्रोत पर ही यानी उस स्थान पर जहां इसे तैयार किया गया था लीक हो गया था, इसका तात्पर्य यह है कि असली देशद्रोही हमारे अपने ही लोगों के बीच छिपे हैं (जैसा कि कहावत है: "घर का भेदी लंका ढाए")। इसलिए, यह अत्यंत अनिवार्य है कि उन सभी आरोपियों को, जिन्होंने 25 लाख बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है, मृत्युदंड दिया जाए। इन छात्रों की पूरी ज़िंदगी बर्बाद करके, इस पेपर लीक घोटाले के आरोपियों ने न केवल शिक्षा व्यवस्था की साख को धूमिल किया है, बल्कि असल में इसकी सरेआम हत्या कर दी है। नतीजतन, इस मामले में शामिल दोषियों को कानून के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए और फास्ट-ट्रैक कोर्ट की त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें फाँसी की सज़ा दी जानी चाहिए। एक बलात्कारी किसी राष्ट्र की सभ्यता का हत्यारा होता है, जबकि एक भ्रष्ट व्यक्ति वह होता है जो 140 करोड नागरिकों का खून चूस लेता है और उन्हें मौत के गर्त में धकेल देता है। इसी तरह, नीट घोटाले में दोषी लोग उन छात्रों के ही विनाशक हैं, जो देश के भविष्य को संवारने वाले हैं। इसलिए, इन मामलों में सच्चा सुधार तभी संभव है, जब इन तीनों श्रेणियों के दोषियों पर फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाए और उन्हें तत्काल मृत्युदंड दिया जाए। अन्यथा, यह कहावत—"तुका कहते हैं: चुप रहो और जो कुछ भी हो रहा है, बस उसे देखते रहो"—शायद सरकार पर भी लागू हो जाए। पुणे क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए पूरे भारत में विख्यात है। हालाँकि, मनीषा गुरुनाथ मंधारे (पुणे में जीव विज्ञान की एक वरिष्ठ प्रोफेसर), प्रो. पी.वी. कुलकर्णी और मनीषा वाघमारे जैसे लोगों ने इसी केंद्र से पूरे देश में ज़हर फैलाने का घिनौना काम किया है; शिक्षा क्षेत्र की साख को धूमिल करके, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर महाराष्ट्र राज्य को शर्मसार किया है। अब, सीबीआय ने एक बार फिर एक गिरफ्तारी की है—इस बार लातूर में आयसीसी के निदेशक शिवराज मोटेगाँवकर को दबोचा गया है, यह एक ऐसी संस्था है जिसे सही ही "नकली डॉक्टर बनाने की फैक्ट्री" बताया गया है। इससे यह स्पष्ट रूप से ज़ाहिर होता है कि "बड़ी मछलियों"इस धोखाधड़ी वाली शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने वाले मुख्य किरदारों ने महाराष्ट्र के भीतर अपनी गहरी जड़ें जमा ली हैं, और वे सुनियोजित तरीके से पूरी शिक्षा व्यवस्था को भीतर से खोखला कर रहे हैं। नीट पेपर लीक घोटाला देश के भविष्य पर एक गहरा साया डालता है। नतीजतन, इस पेपर लीक की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश की एक लहर उमड़ पड़ी है। यदि सरकार वास्तव में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना चाहती है और इस क्षेत्र को जडसे "माफिया राज" को खत्म करना चाहती है, तो इस मामले में शामिल अपराधियों को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए; अन्यथा, इसमें ज़रा भी संदेह नहीं रह जाएगा कि शिक्षा क्षेत्र के भीतर यह अवैध रैकेट बेरोकटोक चलता रहेगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि अपराधियों के पास कई कानूनी डावपेच होते हैं, जिनका इस्तेमाल करके वे बच निकलते हैं और न्याय से बचने के लिए "तारीख पर तारीख" के रूप में अंतहीन स्थगनों वाला लुका-छिपी का खेल खेलते रहते हैं। हालाँकि, पेपर लीक घोटाला देश के 140 करोड नागरिकों के साथ-साथ अपनी परीक्षाओं की लगन से तैयारी कर रहे छात्रों और उनके माता-पिता के लिए एक विनाशकारी झटका एक ज़ोरदार प्रहार है। यदि सरकार समय रहते इन गतिविधियों पर रोक लगाने में विफल रहती है, तो इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। यदि सरकार वास्तव में छात्रों को न्याय दिलाने में सक्षम है, तो उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पेपर लीक मामलों में फैसले फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से जल्द से जल्द सुनाए जाएं, और दोषियों को फांसी की सज़ा दी जाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन पेपर लीक घोटालों में शामिल अपराधियों ने स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा पेशे की मूल अवधारणाओं को ही कलंकित कर दिया है। परिणामस्वरूप, वे किसी भी प्रकार की दया या नरमी के बिल्कुल भी हकदार नहीं हैं। यह स्पष्ट है विशेष रूप से हाल के नीट पेपर लीक घोटाले के संदर्भ में कि देश की पूरी शिक्षा प्रणाली निजी कोचिंग कक्षाओं और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों के आगमन के बाद से ही दूषित हो गई है। आज, मुख्य रूप से निजी कोचिंग केंद्रों और संस्थानों के बढ़ते प्रसार के कारण, पूरे देश में बड़ी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में भेजने के इच्छुक नहीं हैं। परिणामस्वरूप, आज कई सरकारी शिक्षण संस्थान वीरान नज़र आते हैं, उनका उपयोग बंद हो गया है, या वे बस धूल फांक रहे हैं। इसलिए, यदि सरकार वास्तव में शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाना चाहती है और भविष्य में होने वाले पेपर लीक घोटालों को रोकना चाहती है, तो उसे सबसे पहले सरकारी स्कूलों और कॉलेजों को पुनर्जीवित करना होगा, और साथ ही निजी कोचिंग कक्षाओं तथा संस्थानों पर सख्त नियम लागू करने होंगे; तभी शिक्षा क्षेत्र में सार्थक सुधार एक वास्तविकता बन पाएगा। क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि निजी कोचिंग कक्षाएं सीखने के केंद्रों से कहीं अधिक व्यावसायिक उद्यमों में तब्दील हो गई हैं। जय हिंद!

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार
(स्वतंत्र पत्रकार)
मोबाइल नंबरः 9921690779, नागपुर

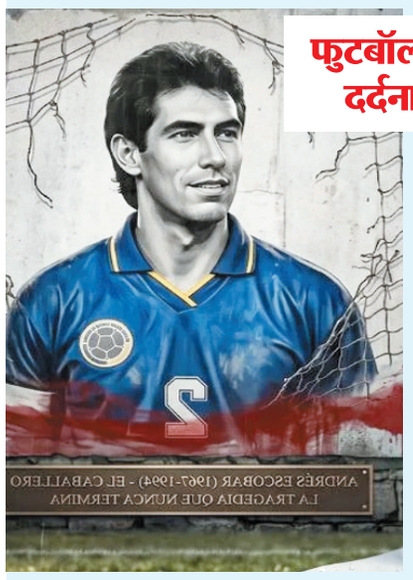

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 स्त्रद्वृस्न ड्डश्वहद्यस्त्र ष्ह्वश्च (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैंटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया–** 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

वर्ल्डकप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे।

सूर्यवंशी का धमाका

- **245 गेंद, 579 रन, 50 चौके, 53 छक्के; LSG के खिलाफ 93 रन ठोक 5 बड़े रिकॉर्ड किए अपने नाम**

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के ओपनर और 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार (19 मई) को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद पर 93 रन की धांसू पारी खेलते हुए इस खिलाड़ी ने एक से बढ़कर एक दिग्गजों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल 2026 में अपने 500 रन पूरे किए और 50 छक्कों का आंकड़ा भी पार कर दिया। इस पारी में वैभव ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड समेत 5 बड़े रिकॉर्ड बनाए। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अभी तक 13 मैचों की 13 पारियों में 245 गेंद खेलते हुए 579 रन ठोक दिए हैं। इसमें उनके 50 चौके और 53 छक्के शामिल हैं। वैभव का मौजूदा सीजन में औसत 44.54 और स्ट्राइक रेट 236.33 का रहा है। उन्होंने ऑरेंज कैप पर भी अपना कब्जा जमा लिया है।

वैभव सूर्यवंशी के नाम एक वर्ल्ड रिकॉर्ड– वैभव सूर्यवंशी दुनिया के किसी भी टी20 टूर्नामेंट में अब 500 प्लस रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल के नाम था जिन्होंने 2019-20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक की तरफ से 19 साल की उम्र में 580 रन बनाए थे। जबकि वैभव ने 15 साल की उम्र में ही मौजूदा आईपीएल 2026 में 579 रन अपने नाम कर लिए हैं।

IPL में 500 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज– साथ ही वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में भी सबसे युवा 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने 2018 आईपीएल में दिल्ली के लिए 20 साल की उम्र में 684 रन बनाए थे। वैभव के नाम 15 साल में ही 579 रन एक सीजन हो चुके हैं और मैच अभी बाकी हैं।

50 छक्के लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज और पहले भारतीय– वैभव सूर्यवंशी आईपीएल सीजन में 50 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय और सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पिछली पारी में ही अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा था। अब उनके निशाने पर एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल (59) का रिकॉर्ड है। 2012 से यह रिकॉर्ड अटूट है।

आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड भी तोड़ा– वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल सीजन में कम से कम 500 या उससे ज्यादा रन सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट से बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

वनडे टीम से पांच बाहर; रोहित-हार्दिक के खेलने पर संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के खेलने पर सस्पेंस

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल?

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे रिकॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

व्यापार

नई ऊंचाई पर पहुंचा डिफेंस शेयर, 3000 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर पिछले कुछ दिन से रॉकेट सा उड़ रहे हैं। डिफेंस कंपनी के शेयर बुधवार को नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयर बुधवार को 8 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 369.30 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 3 दिन में कंपनी के शेयरों में 27 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। वहीं, पिछले 5 साल में मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 3000 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। चौथी तिमाही में अपोलो माइक्रो सिस्टम्स को बंपर मुनाफा हुआ है। 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स का कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 168.64 पर्सेंट बढ़ा है। चौथी तिमाही में डिफेंस कंपनी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई तिमाही में 37.61 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। समान अवधि में कंपनी को 14 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। मार्च 2026 तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 81.28 पर्सेंट बढ़कर 293.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 161.76 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी का इबिट्डा 67.64 करोड़ रुपये रहा है।

गिरते-गिरते रुपया हुआ बेहाल, लगातार नौवें दिन गिरावट, 97 के करीब पहुंची कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। रुपये में गिरावट का दौर जारी है। लगातार नौवें सत्र में इसमें गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले आज यह 0.3 फीसदी गिरावट के साथ 96.86 पर खुला और शुरुआती कारोबार में 41 पैसे गिरकर 96.96 तक चला गया जो इसका अब तक का ऑल टाइम लो है। पिछले कई दिनों से यह लगातार ऑल टाइम लो पर जा रहा है।

भारतीय रुपये में आज लगातार नौवें सत्र में गिरावट आई है। डॉलर के मुकाबले यह आज 0.3 फीसदी गिरावट के साथ रेकॉर्ड लो 96.86 पर खुला। कच्चा तेल लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी रुपये पर दबाव बढ़ा है।

दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.24 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रुपये की स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 96.27 के दिन के उच्चतम स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 96.70 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। अनुज चौधरी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के कारण रुपया गिरावट में रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी हस्तक्षेप और सोने-चांदी के आयात पर कुछ अंकुश रुपये को निचले स्तर पर सहारा दे सकते हैं। लंबे समय से जारी अमेरिका-ईरान तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। इससे रुपया कमजोर हो रहा है और भारत का आयात बिल बढ़ रहा है। साथ ही चालू खाते का घाटा बढ़ने का खतरा गहरा गया है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में भारत का चालू खाते का घाटा काफी बढ़ सकता है।

- शुरुआती कारोबार में सोना 1,100 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है

बाजार खुलते ही 3,000 से गिरी चांदी, सोना भी फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज फिर गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 1,100 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है जबकि चांदी में 3,000 रुपये से अधिक गिरावट आई है। पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद बढ़ी है लेकिन यूएस यील्ड और डॉलर के मजबूत होने से सोने और चांदी पर दबाव बढ़ा है।

सोने-चांदी की कीमत में मंगलवार को बड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिन में जहां दोनों धातुओं की कीमत स्थिर दिखाई दी तो वहीं रात को कीमतें धड़ाम हो गईं। सर्राफा बाजार में भी चांदी टूट गई, लेकिन सोने में उछाल आया। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के डेटा के मुताबिक मंगलवार शाम को सोने और चांदी की कीमत में मिला-जुला असर देखा गया। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने

की कीमत 800 रुपये बढ़कर 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। स्थानीय सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के बंद स्तर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 800 रुपये बढ़कर 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। हालांकि, कमजोर औद्योगिक मांग और वैश्विक बाजार में सुस्त रुख के कारण चांदी की कीमतें 5,000 रुपये घटकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गईं।

अमेरिका-ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीद बढ़ने से मंगलवार को सोने की कीमतों में उछाल आया, जिससे लंबे समय से ऊर्जा संचालित महंगाई दबाव को लेकर कुछ चिंताएं कम हुईं। एमसीएक्स पर मंगलवार रात सोना और चांदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। जून डिलीवरी वाला सोना प्रति 10 ग्राम 262 रुपये गिरकर 1,59,139 रुपये पर था। दिन में कारोबार के दौरान यह 1,60,200 रुपये तक चला गया था। जुलाई डिलीवरी वाली चांदी में बड़ी गिरावट आई। यह प्रति किलो 6,397 रुपये गिरकर 2,70,254 रुपये पर थी। दिन में यह 2,76,666 रुपये के आंकड़े तक पहुंच गई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी कमी आई, जिससे हाल की तेज गिरावट के बाद बहुमूल्य धातुओं को समर्थन मिला।

आईआईटी से पढ़कर मुर्गियां पाल रहा है... लोगों ने उड़ाया था मजाक, आज हर महीने 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर किसी युवा ने देश के प्रतिष्ठित संस्थान से पढ़ाई की हो और उसे 28 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिल जाए, तो अमूमन लोग खुश होकर आराम से नौकरी करेंगे। लेकिन आज के दौर के युवाओं की सोच थोड़ी अलग है। वे लीक से हटकर सोचने और अपना खुद का साम्राज्य खड़ा करने में यकीन रखते हैं। तेलंगाना के रहने वाले आईआईटी ग्रेजुएट सैकेश गौड की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। 28 लाख रुपये की चमचमाती कॉर्पोरेट नौकरी को लात मारकर आज वे 1 करोड़ रुपये महीना से ज्यादा का बिजनेस कर रहे हैं।

सैकेश गौड ने वाराणसी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया था। पढ़ाई पूरी होने के बाद एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर उनका चयन 28 लाख रुपये के सालाना पैकेज पर हो गया। नौकरी बढ़िया चल रही थी, लेकिन सैकेश के दिमाग में हमेशा से खुद का बिजनस शुरू करने का आइडिया घूम रहा था।

इसी दौरान उनकी मुलाकात हेमाम्बर रेड्डी और मोहम्मद सामी उद्दीन से हुई। हेमाम्बर रेड्डी उस समय मुर्गी पालन और मीट इंडस्ट्री को समझने की कोशिश कर रहे थे। जब सैकेश ने रेड्डी का आईडिया सुना तो उन्होंने भांप लिया कि भारत के रिटेल मीट सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। बस फिर क्या था, उन्होंने बड़ा रिस्क लेते हुए अपनी मोटी सैलरी वाली नौकरी छोड़ दी और इस सेक्टर में कदम रख दिया।

इस बिजनेस को वैज्ञानिक और सस्टेनेबल तरीके से आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने हैदराबाद स्थित आईसीएआर-नेशनल मीट रिसर्च इंस्टीट्यूट के एक इन्क्यूबेशन प्रोग्राम में हिस्सा लिया। यहां से उन्हें हाइजीनिक प्रोसेसिंग, रिटेलिंग यूनिट की स्थापना और गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस के लिए जरूरी तकनीकी मार्गदर्शन मिला। इसके बाद साल 2020 में इन तीनों दोस्तों ने मिलकर कंट्री चिकन कंपनी की शुरुआत की। उनका मकसद पारंपरिक और अस्वच्छ मीट की दुकानों की छवि को बदलना था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)